NNI
हर खबर पर पक्की नजर
मूल्यों और आदर्शों के कर्म पथ पर जनहित की आवाज
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
सत्यता व निष्पक्षता का पंचम वर्ष
www.nnindianews.com
वर्ष :05, अंक :-303, पृष्ठ : 12 | बुधवार, 13 मई, 2026 | मूल्य- 03.00 रुपये मात्र

प्रतीक यादव का निधन

रात 11 बजे भर्ती हुए थे, फिर घर लौट आए, सुबह हॉस्पिटल पहुंचने से पहले मौत

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भाई, प्रतीक यादव (38) का लखनऊ में निधन हो गया है। वे समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के सबसे छोटे बेटे तथा उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुबह साढ़े पांच बजे सिविल अस्पताल के कार्यवाहक निदेशक के पास उनके घर से फोन आया था। जिसके बाद डॉ प्रिंस टीम के साथ घर गए थे। शरीर में कोई हरकत न दिखने पर अस्पताल लाया गया था। शरीर में कोई हरकत न दिखने पर उन्हें अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने उनकी जांच पड़ताल की। जांच में उन्हें मृत पाया गया। उनके शरीर को उनके साले और मित्र लेकर आए। परिवार के बाकी सदस्य भी वहां मौजूद रहे। उनकी मौत किस वजह से हुई है इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी। इस घटना के बाद गोमती नगर स्थित उनके घर पर सन्नाटा पसरा रहा। वहां पर कोई मौजूद नहीं था। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सिविल अस्पताल देवेश चंद्र पांडेय ने कहा, "वे मृत अवस्था में सुबह 5:55 बजे लाए गए थे। पुलिस को सूचना दी गई थी। पुलिस ने बॉडी का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अब पोस्टमार्टम चल रहा है।"

"मैंने प्रतीक को बचपन से देखा है। आज वे हमारे बीच नहीं है। हमें इस बात का बहुत दुख है। वे जीवन में आगे बढ़कर काम करना चाहते थे। यह दुखद है कि वे आज हमारे बीच नहीं हैं। मैं उनसे लगभग दो महीने पहले मिला था। कानून और परिवार के लोग जो कहेंगे हम उसी बात को मानेंगे। हम कानूनी रास्ता अपनाएंगे।"

अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

सीएम योगी ने जताया दुख

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव ने निधन पर दुख जताया।

महिला आयोग की अध्यक्ष बबिता चौहान ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह एक बहुत ही दुखद घटना है... ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। भगवान परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें।

फ्लोर टेस्ट में थलपति की 'विजय'

विधानसभा में टीवीके को मिला 144 विधायकों का समर्थन

चेन्नई। तमिलनाडु की टीवीके सरकार ने विधानसभा में बहुमत साबित कर दिया है। बुधवार को हुए विश्वास मत में मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार को 144 विधायकों का समर्थन मिला। 234 सदस्यीय सदन में 22 विधायकों ने सरकार के खिलाफ मतदान किया, जबकि पांच सदस्य वोटिंग में शामिल नहीं हुए। फ्लोर टेस्ट के दौरान कई विपक्षी और सहयोगी दलों ने खुलकर टीवीके सरकार को समर्थन देने का एलान किया। कांग्रेस ने विधानसभा में विश्वास मत के दौरान विजय सरकार का समर्थन करने की घोषणा की। वहीं

सीपीआईएम ने भी सदन में टीवीके सरकार के पक्ष में खड़े होने की बात कही। सीपीआई ने भी टीवीके सरकार को समर्थन देने की घोषणा की। इसके अलावा वीसीके ने भी फ्लोर टेस्ट में विजय सरकार को समर्थन देने का एलान किया। हालांकि समर्थन के साथ वीसीके ने सरकार से एक महत्वपूर्ण मांग भी रखी। पार्टी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक की तर्ज पर तमिलनाडु में अंधविश्वास के खिलाफ कानून लाने की अपील की। वीसीके विधायक वन्नी अरसु ने कहा कि धर्मनिरपेक्ष पार्टियों ने सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया है और विश्वास व्यक्त किया है कि सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा करेगी।

एन रंगासामी ने ली पुडुचेरी के सीएम पद की शपथ

पुडुचेरी। राजनीति के दिग्गज नेता और ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के संस्थापक एन रंगासामी ने बुधवार को पांचवीं बार पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। लोक निवास में आयोजित एक समारोह में उपराज्यपाल के कैलाशनाथन ने रंगासामी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। रंगासामी ने ईश्वर के नाम पर शपथ ग्रहण की। रंगासामी के साथ एनडीए गठबंधन के दो अन्य प्रमुख नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इसमें क्षेत्रीय पार्टी से मल्लाडी कृष्ण राव और भारतीय जनता पार्टी के ए नमस्सिवयम शामिल हैं। मल्लाडी कृष्ण राव ने तेलुगु में शपथ ली। वह आंध्र प्रदेश की सीमा से लगे पुदुचेरी के एन्क्लेव 'यानम' का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और वरिष्ठ नेता बीएल संतोष भी मंच पर मौजूद रहे।

> ए नमस्सिवयम और मल्लादी कृष्ण राव बने मंत्री

नीट यूजी रद्द होने के बाद एनटीए को बदलने की मांग

एफएआईएमए ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। इसमें कहा गया है कि एनटीए द्वारा नीट यूजी 2026 के आयोजन में ह्व्यवस्थित विफलताह्व हुई है। याचिका में मांग की गई है कि एनटीए को बदला जाए या उसका पूरी तरह से पुनर्गठन किया जाए। साथ ही, एनटीए यूजी 2026 की नई परीक्षा न्यायिक निगरानी में कराई जाए।

याचिका में यह मांग की गई है कि वह केंद्र सरकार को एनईटी परीक्षा आयोजित करने के लिए एनटीए को एक " अधिक मजबूत, तकनीकी रूप से उन्नत और स्वायत्त निकाय" से बदलने का निर्देश दे। यह याचिका एनटीए द्वारा 3 मई को आयोजित एनईटी-यूजी 2026 परीक्षा को पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द करने और केंद्र द्वारा जांच सीबीआई को सौंपने के कुछ दिनों बाद दायर की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर जो "अनुमानित प्रश्नपत्र" घूम रहे थे, उनमें असली परीक्षा के 100 से ज्यादा प्रश्नों से मेल पाया गया था।

याचिका में यह भी मांग की गई है कि एक रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज की अगुवाई में एक उच्च स्तरीय निगरानी समिति बनाई जाए। इस समिति में एक साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और एक फोरेंसिक विशेषज्ञ भी शामिल हों, ताकि जब तक नया परीक्षा निकाय न बन जाए, तब तक नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा की निगरानी सही तरीके से हो सके।

ट्रंप की चीन यात्रा पर दुनिया की नजर

ईरान संकट के बीच दोनों नेताओं की अहम मुलाकात

बीजिंग। ईरान संकट के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा काफी अहम है। वे बुधवार को बीजिंग पहुंचेंगे जहां वह चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ व्यापार, टैरिफ, ईरान युद्ध और पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की यह चीन यात्रा उनके पहले कार्यकाल के बाद दूसरी आधिकारिक यात्रा होगी। ट्रंप की इस यात्रा को अमेरिका-चीन संबंधों में तनाव कम करने की दिशा में काफी अहम माना जा रहा है।

ट्रंप इस यात्रा को लेकर काफी उत्सुकता और अटकलें हैं, जिसका उद्देश्य टैरिफ को लेकर जारी तनाव को खत्म करना और अमेरिका को होने वाले 525 अरब डॉलर से अधिक के निर्यात पर असर डालने वाले व्यापार विवाद को सुलझाना है।

ट्रंप 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान चीन आए थे। उनके इस दौरे पर अमेरिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी भी साथ होंगे।

अमेरिकी उप प्रेस सचिव अन्ना केली ने यह जानकारी दी कि डोनाल्ड ट्रंप बुधवार शाम बीजिंग पहुंचेंगे और बृहस्पतिवार को स्वागत समारोह तथा द्विपक्षीय बैठक में भाग लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों नेता शुक्रवार को चाय और दिन के भोजन पर फिर मिलेंगे और अमेरिका बाद में चीनी राष्ट्रपति की पारस्परिक यात्रा की मेजबानी करेगा।

मीडिया में प्रकाशित खबरों के मुताबिक दोनों देशे के बीच बातचीत मुख्य रूप से व्यापार और टैरिफ, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और टेक्नोलॉजी, ताइवान तथा उसे अमेरिकी हथियारों की बिक्री, ईरान और पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति, साथ ही दुर्लभ खनिजों और आपूर्ति शृंखलाओं पर केंद्रित रहने की संभावना है। ट्रंप के कार्यक्रम में बीजिंग स्थित 'टेम्पल ऑफ हेवन' का दौरा भी शामिल है, जो एक ऐतिहासिक मंदिर परिसर है, जहां सम्राट अच्छी फसल की प्रार्थना करने आया करते थे। चीनी अधिकारियों के अनुसार, शीर्ष अमेरिकी कंपनियों की प्रमुख हस्तियों को अपने चीनी समकक्षों के साथ मिलने-जुलने का अवसर प्राप्त होगा। हालांकि, दुनिया के देशों का ध्यान दोनों नेताओं की मुलाकात के संभावित नतीजे पर रहेगा कि क्या अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध को समाप्त करने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकेबंदी को खत्म करने पर कोई समझौता हो सकता है। ट्रंप की यात्रा से पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चीन यात्रा की और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत की।

ईरान के खिलाफ हर हाल में जंग जीतेंगे, वे समझौता करेंगे या तबाह हो जाएंगे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के खिलाफ जारी जंग अमेरिका हर हाल में जीतेगा। चीन रवाना होने से पहले उन्होंने कहा, ईरान या तो समझौता करेगा या फिर तबाह हो जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका के पास हालात संभालने के लिए हर विकल्प मौजूद है। उन्होंने बताया कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी बातचीत में ईरान युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट पर भी चर्चा होगी। हालांकि, व्यापार बैठक का मुख्य मुद्दा रहेगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने 74 दिनों की जंग में अब तक कम से कम 29 अरब डॉलर खर्च किए हैं। यह रकम सिर्फ हथियारों और सैन्य उपकरणों पर खर्च हुई है। इसमें सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का खर्च शामिल नहीं है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कांग्रेस से अतिरिक्त रक्षा बजट की मांग की। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे ताकतवर सैन्य शक्ति बने रहने के लिए अमेरिका को 1.5 लाख करोड़ डॉलर की जरूरत है।

सांगली में तेज बारिश और आंधी से मंदिर की दीवार ढही, 6 की मौत

सांगली। महाराष्ट्र के सांगली जिले में तेज बारिश और आंधी के चलते बड़ा हादसा हो गया। यहां मंदिर परिसर की दीवार तेज बारिश और आंधी के कहर को सहन नहीं कर पाई भरभरा कर गिर गई। दीवार ढहने से 6 लोगों की मौत हो गई जबकि 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

यह हादसा उस वक्त हुआ जब इलाके में तेज आंधी के साथ बारिश हो रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दीवार गिरते ही मंदिर परिसर में अफरा-तफरी मच गई। लोग मलबे में दब गए और चारों ओर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और प्रशासन की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। अब तक 6 लोगों के मौत की खबर है। घायलों का इलाज नजदीकी अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक यह घटना पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली ज़िले के जठ तहसील के मोटेवाड़ी गांव में स्थित मागुर्देवी मंदिर में हुई। मंदिर परिसर की दीवार के साथ ही टिन की चादरें भी गिर गईं। पुलिस ने बताया कि आमतौर पर मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस मंदिर में आते हैं। सांगली के पुलिस अधीक्षक तुषार दोषी ने कहा कि जिस वक्त यह हादसा हुआ उस वक्त मंदिर परिसर में लगभग 350 श्रद्धालु मौजूद थे। शाम को अचानक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने लगी, जिससे श्रद्धालुओं ने एक दीवार के सहारे और टिन की चादरों के नीचे शरण ली। अचानक दीवार और टिन की चादरें गिर गईं, जिससे श्रद्धालु उनके नीचे दब गए। उन्होंने बताया कि इस हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 12 से 14 अन्य घायल हो गए।

बरातियों से भरा पिकअप पलटा, दूल्हे के चचेरे भाई समेत तीन की मौत

सोनभद्र। जिले के रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के कठार गांव के पास मंगलवार की रात करीब 10 बजे बड़ा हादसा हो गया। बरातियों से भरा पिकअप तेज घुमावदार मोड़ पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया। हादसे में दूल्हे के चचेरे भाई अजय व विनोद गोंड के अलावा राजन गोंड की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। चतरा पीएचसी पर प्राथमिक उपचार के बाद 11 गंभीर रूप से घायलों को पांच एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज लोढ़ी रेफर किया गया। मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने तीन लोगों की मौत की पुष्टि की। हादसे सूचना पर डीएम चर्चित गौड़ और एसपी अभिषेक वर्मा भी मौके पर पहुंच गए।

रामपुर बरकोनिया एसओ की विनोद यादव ने बताया कि मिर्जापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के चुनरी बांध पुरवा निवासी शिवकुमार के बेटे अजय गोंड की शादी रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र के चेनरी टोला निवासी विक्रम की बेटी से तय थी। मंगलवार की रात करीब 10 बजे बरात चेनरी टोला आ रही थी। कठार गांव के पास तेज घुमावदार मोड़ पर बरातियों से भरा पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। पिकअप में सवार बरातियों को बाहर निकालकर चतरा पीएचसी पहुंचाया गया। घायलों में आशीष, गोलू, रामाशीष, श्याम सुंदर, रामजनम, आकाश, रामसुंदर, बिहारी, रोहित सहित 15 लोग हैं। इनमें से गंभीर रूप से 11 घायलों को पांच एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

मंत्री कपिल मिश्रा ने मेट्रो में किया सफर

नई दिल्ली। दुनिया में लगातार बढ़ते ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से एक बहुत ही बड़ी और अहम अपील की है। उन्होंने देशवासियों से पेट्रोल और डीजल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों का बहुत ही सोच-समझकर और संयम के साथ इस्तेमाल करने को कहा है। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने मेट्रो से सफर किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता व सभी मंत्रियों ने संकल्प के साथ पालन शुरू किया। मैं सार्वजनिक परिवहन या आवश्यकता पड़ने पर केवल एक सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल करूंगा।

फिर बदला मौसम का मिजाज, बारिश और आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम का मिजाज देशभर में तेजी से बदल रहा है। दिल्ली-एनसीआर में आज (बुधवार को) बारिश, गरज-चमक और तेज हवाओं का अलर्ट है, जबकि पटना में तेज हवाएं 60 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से कहर बरपा सकती हैं। दूसरी तरफ, राजस्थान सहित कई राज्यों में गर्म हवाएं लोगों की मुश्किलें बढ़ा सकती हैं। आइए जानते हैं कि जयपुर से दिल्ली और लखनऊ से पटना तक आज मौसम कैसा रहने वाला है।

मौसम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली और आसपास के एनसीआर के इलाके में दोपहर के वक्त हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अलावा, बिजली कड़कने के साथ बादल गरजेंगे और तेज हवाएं 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकती हैं। फिर, शाम के दौरान दोबारा हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से हवाएं चल सकती हैं।

वहीं, यूपी की राजधानी लखनऊ में आसमान पूरी तरह साफ रहेगा। दोपहर से शाम होते-होते गरज के साथ बारिश हो सकती है। इसके अलावा, बिहार की राजधानी पटना के आसमान में बादल छाए रहेंगे। दिनभर में एक-दो बार बारिश हो सकती है। गरज के साथ पटना में पानी की बौछारें पड़ सकती हैं। इस दौरान, तेज हवाओं के साथ 50-60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती है। वहीं, राजस्थान की राजधानी जयपुर में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

अगले 6-7 दिन सताएंगी गर्म हवाएं

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, वेस्टर्न राजस्थान में अगले 6-7 दिनों में कुछ जगहों पर गर्म हवा चल सकती है। अलग-अलग इलाकों में यह लोगों को सताएगी। साथ ही, ईस्टर्न राजस्थान और उससे सटे सेंट्रल इंडिया, गुजरात और महाराष्ट्र में भी अलग-अलग जगहों पर अगले 4-5 दिनों में गर्म हवा की चलने की संभावना है।

स्वामी वीरेन अग्रवाल प्रकाशक विवेक खंडेलवाल मुद्रक इम्प्रेशन प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग लिमिटेड, सिकंदरा रोड, गुरु का ताल, आगरा से मुद्रित एवं बृज वैलबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड, फ्लैट 302 तीसरी मंजिल ब्लॉक E /11/8 संजय प्लेस आगरा से प्रकाशित। **RNI Registration No., UPHIN/2021/88376।** प्रधान संपादक अरविन्द सिंह। चेयरमैन-स्वतंत्र कुमार। प्रबंध निदेशक ब्रजेश सिकरवार। E MAIL newsnextindia1@gmail.com, Website:-www.nnindianews.com
(प्रधान संपादक इस अंक में समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी है)

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
मूल्यों और आदर्शों के कर्म पथ पर जनहित की आवाज
हर खबर पर पक्की नजर

यमुना में नहाते समय छह बच्चे डूबे, चार की मौत से मचा कोहराम

गम में बदल गईं जन्मदिन की खुशियां

एनएनआई

आगरा। यमुना में मंगलवार को खेल-खेल में नहाने गईं चार जिंदगियों का सूरज हमेशा के लिए अस्त हो गया। हादसे के बाद घाट पर शव निकाले जाने पर महिलाओं की चीत्कार और पुरुषों की आंखों से बहते आंसू देखकर हर किसी की रूह कांप गई। रोते-बिलखते परिजन को संभालने वाले भी हुए लोग खुद भी रो पड़े।

सोमवार को भूरी सिंह के बेटे सौरभ की बेटी नित्या का जन्मदिन था। परिवार के लोगों ने बताया कि नित्या के जन्म पर कोई कार्यक्रम नहीं किया था। उसके एक साल की होने पर घर में ही आयोजन कर दिया। सभी रिश्तेदारों को बुलाया था। दावत के बाद रातभर घर गाना-बजाना हुआ था। बच्चे और बड़ों ने डांस किया था। घर की महिलाएं काफी खुश थीं। मंगलवार को सुबह तक सभी सोते रहे। बच्चों ने जागने के बाद गर्मी की वजह से घर से 200 मीटर की दूरी पर स्थित स्वीमिंग पूल में नहाने की बात कही। इस पर किसी ने रोका नहीं। उन्हें यमुना में जाने के लिए मना कर दिया मगर जब बच्चे स्वीमिंग पूल पर गए तो वहां ताला लगा हुआ था। यह देखकर सभी ने यमुना किनारे पर नहाने की योजना बनाई। पार्वती घाट की तरफ ही यमुना में पानी नजर आया। इस पर पैदल सभी बच्चे पहुंच गए। यमुना में एक तरफ नदी की धार कटी हुई थी।

यहां से ही महक, काजल सहित सातों लोग नहाने के लिए उतर गए। उन्हें नहीं पता था कि जिस स्थान पर वो नहा रहे हैं, वहां पर पानी गहरा है। एक-एक जब वो डूबने लगे। यह देखकर दूसरों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन वो भी डूब गए। घाट पर मौजूद गोताखोरों ने देखकर दो को बचा लिया। इसके बाद परिजन को जानकारी हुई। बच्चों के डूबने का पता चलने पर घर की महिलाएं, पुरुष और मोहल्ले के लोग दौड़ पड़े। एक घंटे में तीन के शव निकलते ही कोहराम मच गया। महिलाएं चीखने लगीं। सबसे आखिर में विक्की को निकाला गया तो चीत्कार मच गया।

मना किया, फिर भी नहीं माने

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सभी लोग जब घाट पर आए तो किनारे पर पानी की गहराई अधिक होने की वजह से मना भी किया, लेकिन वह नहीं माने। सभी ने एक साथ नदी में छलांग लगा दी, लेकिन कुछ ही देर में गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख घाट पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना कमला नगर और ट्रांस यमुना पुलिस, गोताखोर और राहत टीम मौके पर पहुंच गई। बाद में एसडीआरएफ को भी बुला लिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बालक विक्की के डूबने पर बाकी युवक-युवतियां उसे बचाने के लिए आगे बढ़े और देखते ही देखते सभी गहरे पानी में फंस गए। संध्या ने बताया कि कान्हा ने कई बच्चों को बाहर खींचने की कोशिश की थी। काजल भी दूसरों को बचाने नदी में गई थी, लेकिन वह खुद डूबने लगी। बाद में किसी तरह किनारे पहुंची, जहां उसे लोगों ने बाहर निकाल लिया।

पिता से मोबाइल को लेकर झगड़ा, बेटी ने यमुना में कूदकर दी जान

एनएनआई

मथुरा। मोबाइल को लेकर पिता की पिटाई से शुरू हुआ घरेलू विवाद 16 वर्षीय किशोरी की मृत्यु पर जाकर खत्म हुआ। आरोप है कि मोबाइल प्रयोग को लेकर पिता ने बेटी की पिटाई की। दादी ने यूपी डायल 112 पर पुलिस बुला ली।

पुलिस किशोरी और उसके पिता को घर से थाने ले गई। रास्ते में किशोरी को गाड़ी से उतार दिया। इसके बाद किशोरी ने पुल से यमुना में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से स्वजन में आक्रोश है। पुलिस आरोपों को निराधार बताते हुए किशोरी को घर से नहीं लाने की बात कह रही है। जमुनापार थाना क्षेत्र के लक्ष्मीनगर में रहने वाले आनंद ने सोमवार रात अपनी 16 वर्षीय बेटी खुशी को मोबाइल चलाने को लेकर डांट लगाई।

बेटी के जवाब देने से आक्रोशित पिता ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। इसे देख पिता की मां ने यूपी डायल 112 पर पुलिस को बुला लिया। भाई अमन ने बताया कि कुछ ही देर बाद पुलिस की गाड़ी घर पहुंच गई।

आरोप है कि शराब के नशे में धुत पुलिसकर्मियों ने उसके माता-पिता के साथ अभद्रता और गाली-गलौच की।

रात 12 बजे बहन खुशी और पिता को गाड़ी में बिठा कर घर से थाने ले गए। पेंठ के समीप खुशी को पुलिस कर्मियों ने गाड़ी से उतार दिया। पिता को थाने ले गए। इसके बाद खुशी के घर न पहुंचने पर उसकी तलाश की गई। बाद में पता लगा कि उसने पुल से यमुना में छलांग लगा ली। सूचना मिलने पर थाने पर बैठाए गए पिता को पुलिस ने छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने यमुना में किशोरी की तलाश शुरू कराई। पुलिस ने मंगलवार सुबह करीब सात बजे किशोरी का शव बरामद कर लिया। जमुनापार थाना प्रभारी विदेश कुमार ने बताया कि स्वजन झूठ बोल रहे हैं। पुलिस किशोरी को लेकर नहीं गई थी। किशोरी ने घर से यमुना पुल पर आकर छलांग लगाई है।

सिपाही की सगाई में अंगूठी पहनाने पर विवाद

फिरोजाबाद एनएनआई। थाना उत्तर क्षेत्र स्थित एक होटल में रात सिपाही की सगाई समारोह के दौरान अंगूठी पहनाने को लेकर विवाद हो गया। कहासुनी बढ़ने पर पुलिस को मौके पर पहुंचना पड़ा। बाद में पुलिस के हस्तक्षेप से दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और कार्यक्रम संपन्न कराया गया।

जानकारी के अनुसार, दक्षिण थाना क्षेत्र की एक युवती की दो साल पहले इंस्टाग्राम के माध्यम से आगरा के कागारौल निवासी एक सिपाही से दोस्ती हुई थी। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई और दोनों ने शादी करने का फैसला किया। वर्तमान में यह सिपाही उत्तर प्रदेश पुलिस के मुजफ्फरनगर जनपद के थाना सिकेड़ा में तैनात है। परिजनों की सहमति के बाद थाना उत्तर क्षेत्र के तुलसी प्लेस होटल में सगाई और गोद भराई का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। बताया गया है कि सिपाही के परिजन होटल के अंदर चले गए थे, लेकिन सिपाही अपनी कार में ही बैठा रहा। इसी दौरान युवती पक्ष के लोगों ने उसे अंदर बुलाकर अंगूठी पहनाने की रस्म पूरी करने को कहा। इस बात पर सिपाही के छोटे भाई ने आपत्ति जताई। अंगूठी पहनाने की रस्म को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई, जो जल्द ही एक बड़े विवाद में बदल गई। विवाद की सूचना मिलने पर थाना उत्तर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। थाना उत्तर प्रभारी निरीक्षक अंजीश कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। हालांकि, बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया और कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न करा दिया गया।

मिट्टी खनन की चौथ वसूली पर बवाल, दो गिरफ्तार

कुबेरपुर क्षेत्र में रात में चल रहा था मिट्टी खनन का खेल, दो ट्रैक्टर ट्राली व चालक पकड़े

- पुलिस बोली, दिन की अनुमति पर रात में ढाई जा रही थी मिट्टी
- झगड़े की सूचना पर पहुंची पुलिस ने फायरिंग की बात नकारी

एनएनआई

एत्मादपुर। ग्राम पंचायत गदपुरा क्षेत्र में मिट्टी खनन पर चौथ वसूली पर बवाल हो गया। यहां जंगल में हर रात मिट्टी खनन का खेल बैखौफ चल रहा है। रहनखुर्द और रनपई गांवों के जंगलों में मिट्टी की खोदाई का काम लगातार डंपर और ट्रैक्टर ट्रालियों से चोरी-छिपे किया जा रहा है। गत रात्रि ग्रामीण और खननकर्ताओं में झगड़ा एवं फायरिंग होने की सूचना मिलने पर पर इलाका पुलिस गांव में मौके पर पहुंची तो खननकर्ताओं में भगदड़ मचने के साथ ग्रामीणों में दहशत फैल गई। भागते एक ट्रैक्टर की टक्कर से पुलिस की प्राइवेट गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस बल ने दो ट्रैक्टर-ट्रालियों को पकड़कर जब्त कर लिया और उनके चालकों को हिरासत में ले लिया। मध्य रात्रि के बाद हुए विवाद की पृष्ठभूमि में चौथ वसूली का मामला बताया गया है। फायरिंग होने की बात से पुलिस ने स्पष्ट इनकार किया है।

क्षेत्रीय ग्रामीणों के अनुसार इलाके में हर रात को मिट्टी का खनन करने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली हर दिशा में दौड़ते नजर आते हैं। विगत कई दिनों से यहां मिट्टी खनन का खेल चल रहा था। गत मध्य रात्रि लगभग ढाई बजे ग्रामीण और मिट्टी खोदने वालों के बीच अचानक विवाद हो गया। रात के अधंकार में गाली-गलौज, मारपीट और फायरिंग होने की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने बदमाशों के आने की आशंका में फोन से सूचना दी तो इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई। उसने यहां से एक मिट्टी से भरी और एक खाली टैक्टर-ट्रॉली को मय चालकों के पकड़ लिया। पकड़े गए दोनों ट्रैक्टर-टालियों के चालकों को हिरासत में लेने के बाद पुलिस थाना ले आई। अन्य लोग पुलिस को देखकर भाग गए। इस दौरान पुलिस की प्राइवेट गाड़ी ट्रैक्टर की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गई। मिट्टी की खोदाई करने के बाद उसे विभिन्न स्थानों पर पहुंचाने वाले ट्रैक्टर -ट्रॉली चालकों अंकित पुत्र राजेश निवासी गांव रहनखुर्द (धौर्रा) और प्रशांत पुत्र समर सिंह निवासी गदपुरा का शाम पांच बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद चालान कर दिया। उन्होंने बताया कि विकास यादव के टैक्टर-ट्रॉली वह चलाते हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार मौके से दो ट्रैक्टर ट्राली और दो लोग पकड़े गए हैं। फायरिंग की घटना नहीं हुई है। खनन माफिया की गतिविधियों की जांच पड़ताल की जा रही है।

एसडीएम ने बालू भरा डंपर कराया सीज

आगरा-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (हाइवे) पर दौड़ते बालू-गिट्टी के ओवर लोड डंपर की चेकिंग के दौरान एक डंपर को पकड़ कर सीज करने की कार्रवाई की गई है। इलाका पुलिस ने यह कार्रवाई उपजिलाधिकारी सुमित कुमार सिंह के डंपर को पकड़ने पर की है। डंपर आगरा से इटावा जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही बालू उतारते समय मुखबिर की सूचना पर पकड़ लिया गया।

मुकदमों में कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

यमुना नदी के किनारे ग्राम रायपुर-रहनकलां में मिट्टी और बालू के अवैध खनन के मामले अब तक कई बार प्रशासन के सामने आ चुके हैं। एत्मादपुर और एत्माद्दौला थानों में दर्ज मुकदमे इसकी गवाही दे रहे हैं। आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) की ग्रेटर आगरा परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि पर रायपुर में दस बीघा से अधिक भूमि पर महीनों तक चोरी-छिपे चले अवैध मिट्टी खनन के मामले का खुलासा अब तक का सबसे बड़ा चौंकाने वाला और खनन माफिया के बुलंद हौसलों उदाहरण है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों यहां बनने वालीं दस टाउनशिपों के लिए भूमि पूजन और शिलान्यास किया था। इस समय यहां एडीए द्वारा दस भारतीय नदियों के नाम पर बसाई जाने वालीं टाउनशिपों की कनेक्टिविटी के लिए आंतरिक सड़क निर्माण के लिए अवैध मिट्टी खनन वाले स्थान के गहरे-गहरे गड्ढों को जेसीबी मशीनों से समतलीकरण किए जाने का काम तेजी से किया जा रहा है। क्षेत्रीय ग्रामीण अवैध मिट्टी और बालू खनन के दुस्साहसिक मामलों में कछुआ चाल की कार्रवाई पर तमाम सवाल खड़े कर रहे हैं।

आगरा कॉलेज भर्ती घोटाला: 66 नियुक्तियों में फंसे पांच पूर्व प्राचार्य, एफआईआर दर्ज

एनएनआई

आगरा। आगरा कॉलेज में संविदा पर शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितताओं का मामला सामने आया है। चार साल की जांच के बाद विजिलेंस थाना आगरा सेक्टर में पांच पूर्व प्राचार्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में प्राथमिकी दर्ज की गई है। संविदा पर भर्ती करने के लिए आरोपी प्राचार्यों ने प्रबंध समिति की अनुमति नहीं ली। समिति के अध्यक्ष प्रशासनिक अधिकारी होते हैं। भर्तियों के संबंध में साक्ष्य मिलने पर कार्रवाई की गई है।

उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान के निरीक्षक सौदान सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराई। इसमें आगरा कॉलेज के पांच पूर्व प्राचार्यों को नामजद किया है। इनमें जयपुर हाउस निवासी डॉ. मनोज रावत, दयालबाग निवासी डॉ. अशोक विक्रम सिंह उर्फ एवी सिंह, माधव कुंज निवासी डॉ. उमेशचंद्र शर्मा, प्रोफेसर कालोनी निवासी नरेंद्र सिंह और न्यू आगरा कालोनी निवासी डॉ. अनिल कुमार शामिल हैं। विजिलेंस के मुताबिक, शासन ने वर्ष 2022 में आगरा कॉलेज के इंजीनियरिंग संकाय में हुई शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की नियुक्तियों के संबंध में खुली जांच के आदेश किए थे। जांच में पाया गया कि पूर्व प्राचार्य डॉ. मनोज रावत ने अपने कार्यकाल में सबसे अधिक 54 भर्तियां कीं। उनके बाद डॉ. एवी सिंह ने 8, डॉ. यूसी शर्मा ने 2, नरेंद्र सिंह ने व संतोष कुमार ने एक-एक कर्मचारी को नियुक्त किया। संतोष कुमार की मृत्यु हो चुकी है। कुल 66 शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को अनियमित रूप से संविदा पर रखा।

दरोगा पर 6 हजार रिश्वत लेकर कार छोड़ने के आरोप

- कार वापस मिली तो उसमें रखे 16,500 रुपये नकद, एक सोने की अंगूठी और आईफोन चार्जर गायब

एनएनआई

आगरा। आगरा कमिश्नरेट में आए दिन भ्रष्टाचार के मामले सामने आते रहते हैं। इस बार सिकंदरा थाने के दरोगा पर 6 हजार रिश्वत लेकर कार छोड़ने का आरोप है। यह भी आरोप है कि कार वापस मिली तो उसमें रखे 16,500 रुपये नकद, एक सोने की अंगूठी और आईफोन चार्जर गायब थे। डीसीपी सिटी से शिकायत होने के बाद उन्होंने एसीपी हरीपर्वत को जांच दे दी है। पीड़ित ने यह भी मांग की है की जांच निष्पक्ष होनी चाहिए।

डीसीपी सिटी से शिकायत करने वाली पीड़िता के अनुसार 9 मई को उसके पति की कार का ट्रैक्टर से एक्सीडेंट हो गया था। हादसे के बाद पुलिस ने उनके पति के खिलाफ 151 की कार्रवाई करते हुए कार को जब्त कर लिया था। पीड़िता का आरोप है कि बाद में उन्होंने मामले की शिकायत आईजीआरएस पोर्टल पर की। शिकायत के बाद संबंधित दरोगा ने उनके पति को थाने बुलाया, जहां उन्हें करीब तीन से चार घंटे तक बैठाए रखा गया। आरोप है कि कार छोड़ने के एवज में दरोगा ने 6 हजार रुपये लिए, जिसके बाद वाहन छोड़ा गया। महिला का कहना है कि जब कार वापस मिली तो उसमें रखे 16,500 रुपये नकद, एक सोने की अंगूठी और आईफोन चार्जर गायब थे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुलिस की मौजूदगी में वाहन जब्त किया गया था, इसलिए सामान गायब होने की जिम्मेदारी भी संबंधित पुलिसकर्मियों की बनती है शिकायत पर संज्ञान लेते हुए डीसीपी सिटी ने पूरे प्रकरण की जांच एसीपी हरिपर्वत को सौंप दी है। दरोगा डिवीजन चौकी पर बताया जा रहा है। वह 23 बैच का है। इंस्पेक्टर सिकंदरा अपनी कार्य शैली को लेकर काफी सख्त माने जाते हैं। फिर भी दरोगा वहां मान नहीं रहे हैं। उन्होंने दो टूक कह भी रखा है कि किसी की रिश्वत की शिकायत नहीं आनी चाहिए। इधर कुछ दिनों पहले एक युवक ने पुलिस पर थर्ड डिग्री के आरोप लगाए थे।

गुपचुप तरीके से पुलिस ने उसका इलाज करा कर उसे फरुर्खाबाद भेज दिया है। यह मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि रिश्वत का मामला सामने आ गया है। इसी थाने में तैनात एक और दरोगा की कार्यशैली सुर्खियों में छाइ हुई है। पूर्व में यह यहां पर लंबे समय तक तैनात रहा है और फिर से री पोस्टिंग करा कर आ गया है। विभाग में चर्चा है कि इस पर कृपा इस कदर है कि आज तक यह पूर्वी और पश्चिमी जोन में नहीं गया है। नगर जोन में ही डटा हुआ है। पुलिस कर्मी आपस में सवाल भी कर रहे हैं कि क्या इसके लिए कोई मानक नहीं है? जगदीशपुरा कांड में भी यह सुर्खियों में छाया था।

वैधानिक सूचना

सुधि पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गये तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति विज्ञापन दाता खुद ही जिम्मेदार है, पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहानिक जानकारी कर लें। किसी भी विज्ञापन से पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो न्यूज नेक्स्ट इंडिया के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

\- प्रबंधक विज्ञापन

समाचार पत्र में छपे किसी भी लेख के लिए प्रधान संपादक उत्तरदायी नहीं है। प्रकाशित विभिन्न रचनाओं के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है। समाचार पत्र में प्रकाशित सामिग्री / विज्ञापन आदि से प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र सिर्फ आगरा होगा।

बाल विवाह के नाम पर अवैध वसूली, चाइल्डलाइन कॉर्डिनेटर ने मांगे 5 लाख

एनएनआई

आगरा। रिंग सेरेमनी को बाल विवाह बताकर चाइल्डलाइन कॉर्डिनेटर ने परिवार से 5 लाख की डिमांड कर डाली। आरोप है कि कॉर्डिनेटर ने एक लाख रुपये मौके पर ले लिए थे। इसके अतिरिक्त चार लाख और मांगे। पीड़ित ने केबिनेट मंत्री और थाना पुलिस से शिकायत की, जिस पर चाइल्डलाइन और बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के कर्मचारियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

थाना नाई की मंडी क्षेत्र के रहने वाले रिजवान ने बताया कि उसकी बेटी बालिग होने के करीब है और परिवार सामाजिक रीति-रिवाज के तहत केवल रिंग सेरेमनी कर रहा था। चाइल्डलाइन कॉर्डिनेटर ब्रजेश कुमार गौतम ने कार्यक्रम को बाल विवाह बताते हुए छापा और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। कहने लगे कि तुम बाल विवाह कर रहे हो। दुल्हा और दुल्हन दोनों पक्षों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जेल जाओगे। परिवार का आरोप है कि भय और सामाजिक बदनामी के दबाव में एक लाख रुपये दे दिए गए, लेकिन इसके बाद भी 4 लाख रुपये और मांगे जाने लगे। लगातार बढ़ते दबाव से परेशान परिवार ने आखिरकार केबिनेट मंत्री से गुहार लगाई।

चाइल्डलाइन कॉर्डिनेटर ब्रजेश गौतम पर आरोप है कि वह बिना एएचटीयू और बाल कल्याण समिति को सूचित किए सीधे पीड़ित परिवार के घर पहुंच गए। पीड़ित रिजवान ने बताया कि जेल जाने और सामाजिक बदमानी के डर से उन्होंने ब्रजेश गौतम को एक लाख रुपये दे दिए थे। इसके बाद रविवार शाम करीब 6 बजे वह फिर से घर आ गया। उसके साथ पुलिस और कुछ अन्य लोग भी साथ थे। जेल भिजवाने की धमकी देने लगे। पुलिस को भेज दिया। इसके बाद उसने 4 लाख रुपये मांगे थे, लेकिन इतनी बड़ी रकम देने में वह असमर्थ था।

मामले की शिकायत केबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य से की गई। केबिनेट मंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है। इसकेबाद जिला प्रशासन और बाल संरक्षण विभाग सक्रिय हो गया। डिप्टी सीपीओ स्तर से मामले की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है।

डिप्टी सीपीओ श्रुति शुक्ला का कहना है कि बाल विवाह रोकने जैसे संवेदनशील अभियान की आड़ में अवैध वसूली किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कॉर्डिनेटर से दो दिन में स्पष्टीकरण देने का नोटिस जारी किया है। वहीं पुलिस थाना नाई की मंडी प्रभारी का कहना है कि तहरीर के आधार पर ब्रजेश गौतम, सीडब्ल्यूसी के बेताल सिंह, ज्योति गौतम समेत अन्य के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

NNI
हर खबर पर पक्की नजर
मूल्यों और आदर्शों के कर्म पथ पर जनहित की आवाज
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
आगरा
www.nnindianews.com
बुधवार, 13 मई, 2026

एक्शन में नगरायुक्त : सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर तीन कर्मचारियों पर कार्रवाई

- मधुनगर और सेवला क्षेत्र में फैला मिला कूड़ा, नालों की हालत भी खराब
- निरीक्षण में गैरहाजिर मिले चैन मशीन चालक को किया बर्खास्त

एनएनआई

आगरा। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने मंगलवार को मधुनगर, सेवला और वार्ड-35 स्थित डेरा सरस व नाला कंसाखार क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान सफाई व्यवस्था बदहाल मिलने पर नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्ती दिखाई गई।

निरीक्षण में सड़कों पर जगह-जगह कूड़ा फैला मिला और निराश्रित गोवंश घूमते दिखाई दिए। कई स्थानों पर मार्ग और डिवाइडर क्षतिग्रस्त पाए गए, जिससे बरसात में जलभराव और यातायात प्रभावित होने की आशंका जताई गई।

नगर आयुक्त को निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में कोई सफाई मित्र मौजूद नहीं मिला। सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा जलाया जा रहा था। इस पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए आउटसोर्स के दो सफाई कर्मचारियों को सेवा से हटा दिया। एक सफाई कर्मचारी का तबादला किया गया, जबकि क्षेत्रीय एसएफआई को मुख्यालय से संबद्ध करने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने वार्ड-35 स्थित नाला कंसाखार का निरीक्षण किया, जहां नाले के किनारे भारी मात्रा में सिल्ट जमा मिली और सफाई व्यवस्था बेहद खराब पाई गई। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय एसएफआई ने बताया कि रात में फैक्ट्री संचालकों की ओर से नाले में कतरन डाली जाती है, जिससे नाला अवरुद्ध हो जाता है। इस पर नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि रात के समय नाले से उचित दूरी पर कतरन एकत्र करने वाले वाहन की नियमित तैनाती कराई जाए। क्षेत्र में पशुपालकों द्वारा संचालित अवैध वाड़ा भी मिला। इस पर प्रभारी अतिक्रमण को तत्काल कार्रवाई कर अवैध वाड़ा हटाने के निर्देश दिए गए। वहीं क्षतिग्रस्त नाले की बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए स्टीमेट तैयार करने को कहा गया। नगर आयुक्त ने एसएन मेडिकल कॉलेज क्षेत्र से गुजरने वाले नाले का भी निरीक्षण किया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव वर्मा ने बताया कि नाले की सफाई चैन मशीन से कराई जा रही है। निरीक्षण के दौरान चैन मशीन चालक उदयवीर सिंह अनुपस्थित मिला, जिस पर उसे बर्खास्त कर दिया गया। नगर आयुक्त ने भैरों नाला का भी निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार, सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव वर्मा, क्षेत्रीय पार्षद और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शहर के हर वार्ड में होंगे 50 लाख के विकास कार्य

- जर्जर सड़कें, खराब नालियां और पार्कों के सौंदर्यीकरण पर रहेगा फोकस

एनएनआई

आगरा। नगर निगम प्रशासन शहर में सड़क, नाली, पार्क और अन्य नागरिक सुविधाओं के विकास पर 50 करोड़ रुपये खर्च करेगा। योजना के तहत शहर के प्रत्येक वार्ड में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य कराए जाएंगे। नगर निगम ने प्राथमिकता के आधार पर उन क्षेत्रों को चिन्हित किया है, जहां सड़कें जर्जर हैं, नालियों की स्थिति खराब है या पार्कों में सुविधाओं का अभाव है। इन सभी कार्यों को एक समग्र योजना के तहत कराया जाएगा, ताकि हर वार्ड में समान रूप से विकास दिखाई दे सके। योजना के अंतर्गत नई सड़कों और नालियों का निर्माण कराने के साथ पुराने और क्षतिग्रस्त ढांचों का पुनर्निर्माण भी कराया जाएगा। इसके अलावा पार्कों के सौंदर्यीकरण, हरित क्षेत्र बढ़ाने, प्रकाश व्यवस्था और बैठने की सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। नगर निगम का कहना है कि इन विकास कार्यों का उद्देश्य शहरवासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना और शहर को स्वच्छ, सुंदर व व्यवस्थित बनाना है। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने बताया कि नगर निगम ने शहर के समग्र विकास के लिए 50 करोड़ रुपये की योजनाएं तैयार की हैं। इसके लिए 10 अप्रैल को निविदाएं जारी की गई थीं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कराए जाएंगे, ताकि किसी भी क्षेत्र की अनदेखी न हो। पारदर्शिता और गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई है। सभी कार्य समयसीमा के भीतर पूरे कराने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे लोगों को जल्द सुविधाओं का लाभ मिल सके।

आगरा: सभ्यता का शहर या अव्यवस्था का दलदल!

तीन सांसद, एक दर्जन विधायक, सौ पार्षद और एक मेयर बताएं, कैसे एक ऐसा शहर, जिसने दुनिया को ताजमहल जैसा अजूबा दिया, खुद इंसानों के लिए सजा बनता जा रहा है?

एनएनआई

कैसे मुगल तहजीब, नफासत और खूबसूरती का प्रतीक शहर आज धुएँ, शोर, ट्रैफिक जाम, टूटी सड़कों, कब्जों, आवारा पशुओं और प्रशासनिक लापरवाही के नीचे दम तोड़ रहा है? और क्या यह हमारे दौर की सबसे बड़ी विडंबना नहीं कि दुनिया भर से लोग ताजमहल देखने आते हैं, लेकिन आगरा की सड़कों पर चलना पानीपत की युद्धभूमि पार करने जैसा अनुभव बन जाता है? लोकल सिविल सोसाइटी लीडर्स मानते हैं कि आगरा अब केवल भीड़भाड़ वाला शहर नहीं रहा। यह धीरे धीरे एक सभ्यतागत दलदल में बदलता जा रहा है। ऐसा शहर, जहाँ विकास का मतलब केवल गाड़ियाँ बढ़ाना, फ्लाईओवर बनाना और इंसानों को किनारे करना रह गया है। दिक्कत यह नहीं कि शहर बढ़ रहा है। हर शहर बढ़ता है। असली त्रासदी यह है कि आगरा बिना सोच, बिना योजना और बिना इंसानी संवेदनाओं के फैल रहा है।

हर सुबह लाखों लोग ऐसी सड़कों पर निकलते हैं जहाँ पैदल चलना किसी जोखिम से कम नहीं। फुटपाथ या तो हैं नहीं, या टूटे पड़े हैं, या दुकानदारों और ठेलों ने कब्जा कर रखा है। जहाँ थोड़ी जगह बचती है, वहाँ मोटरसाइकिलें और कारें पार्क मिलती हैं। मजबूर होकर लोग सड़क पर चलते हैं, जहाँ बसें, ट्रक, ई रिक्शा, बाइक और तेज रफ्तार कारें हर पल उन्हें निगलने को तैयार रहती हैं। कमजोर आदमी यहाँ ट्रैफिक में नहीं चलता, बस बचने की कोशिश करता है, पद्मिनी अय्यर, एक सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा। बुजुर्ग घर से निकलने से डरते हैं। बच्चे सड़क पार करना सीखने से पहले खतरा पहचानना सीख जाते हैं। महिलाओं के लिए रास्ता केवल सफर नहीं, संघर्ष बन चुका है। साइकिल चलाने वाला आदमी तो मानो शहर की नजरों में गुनहगार हो, एक जूता फैक्ट्री वर्कर ने कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने मई 2025 में साफ कहा कि बाधारहित और दिव्यांग अनुकूल फुटपाथ नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन आगरा जैसे शहरों में यह फैसला भी दीवार पर टंगे एक और सरकारी नारे की तरह रह गया। स्थानीय प्रशासन अब भी फुटपाथ को इंसानों की जरूरत नहीं, खाली पड़ी जमीन मानता है। विडंबना देखिए। विदेशों से आने वाले पर्यटक उन शहरों से आते हैं जहाँ पैदल चलना सभ्यता की निशानी माना जाता है। आगरा में पैदल चलना जान जोखिम में डालने जैसा है। एक विदेशी पर्यटक ने कहा कि यहाँ केवल बेलगाम वाहन ही नहीं, बल्कि आवारा कुत्ते और पशु भी सड़कों को खतरनाक बनाते हैं। आगरा की हालत अचानक नहीं बिगड़ी। यह दशकों की गलत नीतियों और लापरवाही का नतीजा है। जनसंख्या पचास लाख के करीब पहुँच रही है। दो मिलियन से ज्यादा वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। लेकिन सड़कें वही पुरानी, संकरी और थकी हुई हैं। ऊपर से मेट्रो निर्माण, टूटे पुल, अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, अव्यवस्थित बाजार और बेतरतीब ट्रैफिक ने शहर को स्थायी जाम में बदल दिया है। सिकंदरा का इलाका हर दिन घुटता है। बेलनगंज क्षेत्र के बाजारों में आधी सड़क पार्किंग निगल जाती है। हॉर्न अब आगरा की नई भाषा बन चुका है। धुआँ और धूल शहर की पहचान बनते जा रहे हैं। सबसे दुखद बात यह है कि समाधान भी वही पुराने हैं। सड़क चौड़ी करो। फ्लाईओवर बना दो। और गाड़ियाँ आने दो। फिर अगला जाम झेलो। असल बीमारी सोच में है। शहर अब इंसानों के लिए नहीं, वाहनों के लिए डिजाइन हो रहे हैं। नगर नियोजन का मकसद इंसानी गरिमा नहीं, ट्रैफिक का बहाव और ठेकेदारी बचा है। यमुना किनारा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। ताजमहल से वाटर वर्क्स तक का इलाका दुनिया के सबसे खूबसूरत वॉकिंग कॉरिडोर में बदल सकता था। पेड़ों से घिरे रास्ते, साइकिल ट्रैक, घाट, सांस्कृतिक स्थल और नदी के मनोरम दृश्य आगरा की पहचान बन सकते थे। लेकिन वहाँ धूल, कब्जे, टूटे फुटपाथ और प्रशासनिक उदासीनता पसरी हुई है।

ट्रांसपोर्ट कंपनीज ने हालत और खराब कर दी है। जिस सभ्यता ने कभी नदी किनारे बेमिसाल वास्तुकला खड़ी की, वही आज एक ढंग का फुटपाथ बनाने में नाकाम रहे है। और शायद सबसे बड़ा खतरा यही है कि लोग अब इस अव्यवस्था के आदी हो चुके हैं। ट्रैफिक जाम मौसम की तरह स्वीकार कर लिया गया है। प्रदूषण किस्मत बन चुका है। अवैध कब्जे सामान्य बात लगते हैं। अराजकता अब संस्कृति बनती जा रही है।

■ बृज खण्डेलवाल

यही असली पतन है।

सिर्फ सड़कों का नहीं, सोच का पतन।

आगरा आज उस भारतीय शहरी संकट का प्रतीक बन गया है जहाँ नगर निगम, विकास प्राधिकरण, ट्रैफिक पुलिस, पर्यटन विभाग और पर्यावरण एजेंसियाँ सब मौजूद हैं, लेकिन जवाबदेही कहीं नहीं है। हर संस्था के पास थोड़ी ताकत है, मगर पूरी जिम्मेदारी किसी के पास नहीं।

फिर भी उम्मीद बाकी है।

जो नागरिक पैदल चलने वालों के अधिकार की बात कर रहे हैं, वे सही हैं। जो लोग साइकिल और फुटपाथ को प्राथमिकता देने की मांग कर रहे हैं, वे सही हैं। शहर का भविष्य और फ्लाईओवर, और कारें, और कंक्रीट नहीं बचा सकते। एक सभ्य शहर की पहचान उसकी ऊँची इमारतें नहीं होतीं। असली पहचान यह होती है कि क्या एक बुजुर्ग महिला सुरक्षित सड़क पार कर सकती है। क्या एक बच्चा बिना डर साइकिल चला सकता है। क्या हवा सांस लेने लायक है। क्या सार्वजनिक जगहों पर इंसानों का हक बचा है। आगरा कभी सुंदरता, संतुलन और तहजीब का प्रतीक था। आज खतरा यह है कि वह गलत विकास मॉडल, लालच, उदासीनता और अव्यवस्था का प्रतीक बनता जा रहा है।

ताजमहल आज भी खामोश खड़ा है।
लेकिन उसके आसपास का शहर चीख रहा है।

आयुष्मान कार्ड की धीमी प्रगति पर तीन चिकित्साधिकारियों का वेतन रोका

मुख्य विकास अधिकारी ने समीक्षा बैठक में दी अंतिम चेतावनी

- लक्ष्य के अनुरूप काम न होने पर कार्रवाई के निर्देश

एनएनआई

आगरा। विकास भवन सभागार में मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बनाए गए आयुष्मान कार्डों की प्रगति की समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान योजना की प्रगति संतोषजनक न पाए जाने पर तीन चिकित्साधिकारियों का वेतन रोक दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड अब तक नहीं बने हैं, उनकी सूची तैयार कर कार्ड न बनने के कारणों का विवरण सीएचसी और पीएचसी स्तर पर संकलित कर दोबारा प्रस्तुत किया जाए।

बैठक में चिकित्साधिकारियों द्वारा कराए गए लाभार्थी सर्वे की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य अभियान के रूप में चलाया जाए और लक्ष्य के अनुरूप तेजी लाई जाए। उन्होंने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सभी चिकित्साधिकारियों को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रगति में सुधार नहीं हुआ तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ वेतन रोकने जैसी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए मुख्य चिकित्साधिकारी को भी आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव, आयुष्मान भारत योजना के नोडल अधिकारी डॉ. ऋषि गोपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राजकुमार भाटी के बयान पर आगरा में विरोध, ब्राह्मण समाज ने फूंका पुतला

- सेंट जॉन्स चौराहे पर प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग
- माफी नहीं मांगने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी

एनएनआई

आगरा। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी के कथित विवादित बयान को लेकर मंगलवार को ब्राह्मण समाज के लोगों ने सेंट जॉन्स चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। युवा नेता ललित शर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं और समाज के लोगों ने राजकुमार भाटी का पुतला दहन कर कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बयान से समाज की भावनाएं आहत हुई हैं और इस प्रकार की टिप्पणी सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का काम करती है। लोगों ने कहा कि किसी भी समाज के सम्मान के खिलाफ बयानबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ललित शर्मा ने कहा कि समाज के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वालों को जनता जवाब देगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि राजकुमार भाटी सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं तो आंदोलन को और व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए समाजों को बांटने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शन में दीपविनायक पटेल, विनायक, उज्ज्वल चौहान, ध्रुव गुप्ता, अरुण तोमर, निशांत, परमवीर चौधरी, राघव, शिवम दुबे, कार्तिक, शुभम अग्रवाल, मनीष थापक, अवधेश शर्मा, उदय, विवेक भार्गव, आकाश पंडित, शुभम कश्यप, प्रशांत त्यागी, नवीन, मानव कुमार और अंकुर ठाकुर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जीएल पब्लिक स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- मानसिक स्वास्थ्य पर नशे के दुष्प्रभावों की दी जानकारी
- विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज निर्माण की ली शपथ

एनएनआई

आगरा। जीएल पब्लिक स्कूल, अलबतिया रोड में मंगलवार को नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन अतुल कुलश्रेष्ठ ने किया। इसमें विद्यार्थियों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. राघवेंद्र रनवरिया ने मानसिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा मानसिक संतुलन पर गंभीर असर डालता है। उन्होंने तंबाकू, शराब, ड्रग्स और इनहेलेंट सहित विभिन्न प्रकार के नशों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा मस्तिष्क के रासायनिक संतुलन को बिगाड़ देता है, जिससे अवसाद, चिंता और व्यवहार संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होती हैं। मुख्य अतिथि विमल साहू ने विद्यार्थियों को तनाव से निपटने के स्वस्थ विकल्प अपनाने और नशे से दूर रहने के व्यावहारिक उपाय बताए। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ड्रग्स एडिक्शन हेल्पलाइन नंबर 14446 का भी प्रचार-प्रसार किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज निर्माण में सहयोग देने की शपथ दिलाई गई। स्कूल प्रबंधक कनक गोयल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वस्थ मन ही बेहतर भविष्य की आधारशिला है। आयोजक अतुल कुलश्रेष्ठ ने युवाओं को राष्ट्र की शक्ति बताते हुए नशामुक्त समाज निर्माण का आह्वान किया। नशा छोड़ो – जीवन जोड़ो के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विमल साहू उपस्थित रहे। वहीं मध्य निषेध विभाग से डॉ. राघवेंद्र रनवरिया, फाइव लोटस, आगरा के साइकेट्रिस्ट एवं स्कूल मैनेजर श्रीमती कनक गोयल विशेष रूप से मौजूद रहीं।

मन की उड़ान फाउंडेशन ने मातृ दिवस पर पेश की सेवा और संवेदना की मिसाल

एनएनआई

आगरा। मातृ दिवस के पावन अवसर पर मन की उड़ान फाउंडेशन द्वारा मातृ दिवस विशेष सेवा अभियान का आयोजन कर बेसहारा एवं जरूरतमंद माताओं के चेहरों पर मुस्कान लाने का सराहनीय प्रयास किया गया। संस्था द्वारा आयोजित इस सेवा अभियान में माताओं के सम्मान, स्नेह और सहयोग की अनूठी भावना देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान माताओं को स्नैक्स, फल, राशन सामग्री एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं। संस्था के सदस्यों ने माताओं के साथ समय बिताकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उन्हें सम्मान और अपनत्व का एहसास कराया। कार्यक्रम का वातावरण भावुक और आत्मीयता से भरपूर रहा। संस्था की अध्यक्ष चंचल गुप्ता ने कहा कि मां का आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समय-समय पर जरूरतमंदों की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। सेवा ही मानवता का सबसे सुंदर स्वरूप है। इस अवसर पर संस्था की सचिव कविता राजवानी, कोषाध्यक्ष नीरा थापर, अंकिता जैन, पवन सिसोदिया, अभिषेक गर्ग एवं ऋतिक वार्ष्णेय ने सक्रिय सहभागिता निभाई और सेवा कार्य को सफल बनाया। यह सेवा अभियान अपना घर, नियर वैष्णो बेकरी, मदिया कटरा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्था ने भविष्य में भी इसी प्रकार समाजहित में सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।

घर RENOVATION कराने का प्लान कर रहे है? / या नया घर बना रहे है
इन चीजों का ध्यान रखें
एंटरेंस, रसोई, टॉयलेट,
वॉशिंग मशीन, फ्रिज
एक अच्छा वास्तु एक्सपर्ट
आपको सही सलाह दे सकता है

ONLINE
OFFLINE
CONTACT
आनन्द शर्मा
वास्तु एडवाइजर एंड इंडस्ट्रीज एक्सपर्ट
मोबाईल एंड नेम न्यूमेरोलॉजिस्ट
9105752579-9105137529

डीएम ने की आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा

अपूर्ण रिपोर्ट पर लेखपाल निलंबित

एनएनआई

आगरा। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाली आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों में दर्ज शिकायतों के निस्तारण, फीडबैक की गुणवत्ता और शिकायतों की संख्या की समीक्षा की।

बैठक में जिलाधिकारी द्वारा असंतुष्ट फीड बैक की विस्तृत समीक्षा की गई, जिसमें तहसील किरावली में असंतुष्ट फीड बैक की समीक्षा में पाया गया कि तहसील समाधान दिवस में प्राप्त शिकायत के निस्तारण में सम्बन्धित लेखपाल द्वारा उपस्थितिनामा संलग्न न करने, अपूर्ण रिपोर्ट लगाने सहित गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं किया गया है। जिलाधिकारी ने मौजा बसैया, तहसील किरावली के उक्त लेखपाल को निलंबित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी, बैठक में क्षेत्रीय प्रबंधक परिवहन निगम के 04 असंतुष्ट फीड बैक की समीक्षा की गई, जिसमें 03 प्रकरण एआरएम बाह व 01 असंतुष्ट प्रकरण एआरएम ईदगाह को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न करने पर स्पष्टीकरण देने, दोषी पाये जाने पर उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में गलत तरीके से प्रकरण निस्तारण करने पर अधीशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण) को सो-कॉज नोटिस देने के निर्देश दिए, बैठक में बीडीओ खन्दौली के 01 असंतुष्ट फीड बैक प्रकरण की समीक्षा की गई, जिसमें पंचायत सचिव, उजरई द्वारा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न करने तथा असंतुष्ट फीड बैक प्राप्त होने पर सम्बन्धित को प्रतिकूल प्रविष्टि देने के कड़े निर्देश दिए।

बैठक में समाज कल्याण अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला पिछड़ा वर्ग व अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी के असंतुष्ट फीड बैक प्रकरणों पर जिलाधिकारी महोदय ने सम्बन्धित अधिकारियों से कड़ी नाराजगी जताई। बैठक में जिलाधिकारी महोदय ने स्कॉलरशिप के पात्र छात्र-छात्राओं द्वारा समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग व अल्प संख्यक कल्याण विभाग में किये गये आवेदन रिजेक्ट/अस्वीकृत होने में जनपद स्तर पर लापरवाही व भूमिका की जांच करने, जांच में दोषी पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही कर आगामी बैठक में आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी महोदय ने सभी एसडीएम व तहसीलदारों, बीडीओ व अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारियों को आईजीआरएस प्रकरण निस्तारण, लगाई गई आख्याओं को रैंडमली चेक करने, दोषी पाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध अपने स्तर से प्रभावी कार्यवाही करने, आईजीआरएस बैठक में आने से पूर्व सभी प्रकरणों की विवेचना करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण में स्कूल बंद मिले, प्रधानाध्यापक होंगे निलंबित

एनएनआई

■ 27 स्कूलों में से 40 शिक्षक पाए गए अनुपस्थित

आगरा। जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देश पर सीडीओ प्रतिभा सिंह ने बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों का प्रातःकालीन औचक निरीक्षण कराया गया। औचक निरीक्षण विकास खंड अधिकारियों एवं सहायक विकास अधिकारियों द्वारा सुबह 8:00 बजे से 8:30 बजे के मध्य किया गया। निरीक्षण के दौरान शिक्षक उपस्थिति एवं विद्यालय संचालन की स्थिति संतुष्टिजनक नहीं पाई गई।

संबंधित अधिकारियों द्वारा विभिन्न विकास खंडों में कुल 27 विद्यालयों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 40 शिक्षक अनुपस्थित पाए गए। कई विद्यालयों में शिक्षक अनुपस्थिति की स्थिति अत्यंत चिंताजनक रही।

निरीक्षण के दौरान ब्लॉक एत्मादपुर,बाह, ब्लॉक फतेहाबाद, बिचपुरी एवं शमशाबाद ब्लॉक में भी शिक्षक उपस्थिति अत्यंत कम पाई गई। इसके अतिरिक्त, निरीक्षण के समय कई विद्यालय समय पर नहीं खुले थे, जो कि अत्यंत गंभीर विषय है। बंद विद्यालयों में अकोला, जगनेर, जैतपुर कलां तथा फतेहाबाद ब्लॉक के विद्यालय शामिल रहे। जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बंद पाए गए विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किए जाने की कार्रवाई करने, बिना पूर्व अनुमति अनुपस्थित पाए गए शिक्षकों का दिनांक 12 मई 2026 का वेतन काटने की कार्रवाई सुनिश्चित साथ ही संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों (इएड) को प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

निरीक्षण में यह भी पाया गया कि कुछ विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों एवं कार्यपुस्तिकाओं का वितरण पूर्ण रूप से नहीं किया गया है।

जिलाधिकारी द्वारा तत्काल जांच कर जिम्मेदार कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण में पाई गई गंभीर अनियमितताओं के संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी नोटिस देने को निर्देशित किया गया है।

जिलाधिकारी के कुशल निर्देशन में विद्यालयों में नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करने हेतु निरीक्षण अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

बाहरी वाहनों को पर रोक की मांग

आगरा एनएनआई। प्रीपेड ड्राइवर एकता यूनियन की बैठक आगरा कैंट स्टेशन पर पार्क में हुई। बैठक में जीआरपी पुलिस के नकारात्मक रूख पर चर्चा हुई। जीआरपी पुलिस को ज्ञापन दिया गया था कि सैकड़ों की तादाद में अवैध वाहन सकुर्लेटिंग एरिया में घुस आए हैं, इन्हें बाहर किया जाए।

इस दौरान पूर्व इंस्पेक्टर का ट्रांसफर भी हो गया। नए इंस्पेक्टर से भी संगठन के लोग दो बार मिले दोनों बार इंस्पेक्टर जीआरपी ने सहयोग की बात कही लेकिन धरातल पर आज तक कुछ नहीं हुआ। सर्व समिति से लिए गए निर्णय में शुक्रवार 15 मई को एसपीजीआरपी को भी ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष मंत्री अनिल शर्मा, उपाध्यक्ष रुपेश चौधरी, माजिद उस्मानी, रवि प्रसाद बघेल, शंकर सक्सेना, गबरू ठेकेदार, सब उस्मानी, फिरोज, खालिद मोहम्मद, सतीश यादव आदि मौजूद रहे।

जनपद न्यायाधीश ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

एनएनआई

आगरा। जनपद न्यायाधीश संजय कुमार मलिक द्वारा जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप कारापाल, अंजनी कुमार, मनोज कुमार उपस्थित पाए गए। सचिव (पूर्णकालिक), जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आगरा के द्वारा ई-प्रिजन में निरुद्ध बंदियो का डाटा अपडेट किए जाने, संबंधित न्यायालय से समन्वय स्थापित कर जमानतीय आदेशों को समय से मंगवाए जाने तथा जिन बंदियो की तारीख समय से नहीं आ रही है। उनके लिए संबंधित न्यायालय में पत्र प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें, इसके अतिरिक्त बैरकों की साफ सफाई, बंदियों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच की। सब कुछ अच्छा पाया गया फिर भी उप कारापाल को निर्देशित किया गया कि किसी भी बंदी के साथ किसी भी प्रकार का जाति भेद भाव न हो इस पर विशेष ध्यान दिया जाना सुनिश्चित करें। जागरूकता कार्यक्रम में देवेन्द्र कुमार, तहसीलदार, सदर आगरा, तथा ग्राम प्रधान शिविर में उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मियों की हुई स्वगणना

आगरा एनएनआई। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण में उप जिलाधिकारी नीलम तिवारी की उपस्थिति में स्व-गणना अभियान के अंतर्गत पुलिस लाइन में विशेष दिवस पुलिस-डे का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में स्व-गणना कैसे करें आदि विषयक पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई तथा तद संबंधी लघु फिल्म का प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त सभी पुलिस अधिकारीगण व पुलिसकर्मियों की स्व-गणना पोर्टल पर सूचना दर्ज करा कर मास्टर ट्रेनर अजय कुमार शर्मा द्वारा स्व-गणना कराई गई। कार्यक्रम के दौरान मास्टर ट्रेनर द्वारा उपस्थित सभी पुलिस अधिकारीगण व पुलिसकर्मियों को स्व-गणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही मकान गणना से संबंधित आवश्यक बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक ब्रीफिंग की गई। मास्टर ट्रेनर द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि मकान गणना एवं जनगणना से संबंधित सभी सूचनाएं पूरी तरह गोपनीय रखी जायेंगी तथा इनका उपयोग केवल अधिकृत जनगणना कार्यों के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर द्वारा सभी को स्व-गणना के बारे में बताया गया कि कैसे-कैसे स्टेप बाय स्टेप जानकारी दर्ज करनी है और मकान गणना के बारे में ब्रीफिंग किया गया तथा सभी की मौके पर स्व-गणना कराई गई।

पशु प्रेमियों ने लगाया पुलिस पर संस्थाओं को सहयोग न करने के आरोप

एनएनआई

आगरा। शहर में पशु क्रूरता के मामलों में पशु प्रेमियों व पशुओं के लिए काम कर रही संस्थाओं को सहयोग के बजाय अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। पशुओं के लिए कार्य कर रहे लोगों के खिलाफ पुलिस रिपोर्ट तैयार कर रही है और अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। निजी संस्थाओं से पालतु पशुओं के लिए इलाज का दबाव बनाया रहा है। वहीं दूसरी और स्ट्रीट एनीमल के साथ खौलता पानी फेंककर क्रूरता करने जैसे मामले सामने आए, लेकिन पुलिस संस्थाओं का सहयोग करने के बजाय अपराधियों के पक्ष में खड़ी नजर आती है।

यह शियाकत कैस्पर्स होम की चेयरपर्सन विनीता अरोड़ा ने कलेक्ट्रेट स्थित डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास से मिलकर की। उन्होंने थाना छत्ता में फोन कर जांच का आदेश देते हुए पूरी तरह सहयोग करने का आश्वासन दिया। पशु प्रेमियों ने कहा कि इस बार सही जांच नहीं हुई तो शहर के पशु प्रेमी पशुओं के साथ कलेक्ट्रेट आकर धरना देंगे। पुलिस के सहयोग के बिना भला

संस्थाएं कैसे कार्य कर सकती हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से विशाल सैनी, विकास अग्रवाल, शांतनु बंसल,अंकित शर्मा,सुरेखा आदि उपस्थित थे।

थाना एत्माद-दौला प्रभारी ने बिना किसी जांच के आईजीआरएस पर एक बेहद गैरकानूनी रिपोर्ट तैयार की है और दोषियों का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा कि पालतू कुत्तों की देखभाल, उपचार, टीकाकरण और पंजीकरण की जिम्मेदारी मालिकों की होती है, संस्थाओं की नहीं।

कोई भी सरकारी अधिकारी या सरकारी एजेंसी किसी भी गैर-सरकारी धर्मार्थ संगठन को, जो अपने निजी संसाधनों और निजी जमीन पर बिना किसी सरकारी सहायता के अपना धर्मार्थ कार्य चला रहा है, किसी के पालतू कुत्तों का इलाज करने के लिए अवैध रूप से बाध्य नहीं कर सकती। आरोपी के पास अपने पालतू जानवर के टीकाकरण और पंजीकरण का कोई रिकॉर्ड नहीं था, जो फिर से गंभीर पशु उपेक्षा और क्रूरता तथा नगर निगम कानूनों और एबीसी कानून 2023 का उल्लंघन है। थाना एत्माद-दौला प्रभारी धर्मेंद्र यादव ने बेघर जानवरों के लिए हमारे धर्मार्थ कार्य के बारे में तथ्यों की जांच किए बिना हमारे एडब्ल्यूबीआई द्वारा मान्यता प्राप्त संगठन पर आरोप लगाया है और एसपीसीए के एक सम्मानित सदस्य, आगरा नगर निगम के प्रतिनिधि, मुझ जैसे व्यक्ति का अपमान किया है और मेरी पहचान की जांच किए बिना ही मुझ पर झूठा आरोप लगाया है।

डंपर से एक्सीडेंट में युवक की दर्दनाक मौत

फतेहाबाद बाईपास पर हादसा, एक माह बाद थी शादी

एनएनआई

फतेहाबाद। थाना क्षेत्र के बाईपास रोड पर मंगलवार सुबह लगभग साढ़े दस बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। डंपर की टक्कर लगने के बाद युवक सड़क पर गिर पड़ा और डंपर का पहिया उसके ऊपर से निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना बसई अरेला क्षेत्र के गांव वीधापुरा निवासी 20 वर्षीय प्रदीप पुत्र रणवीर सिंह बाइक से फिरोजाबाद से अपने गांव लौट रहा था। जैसे ही वह फतेहाबाद बाईपास रोड पर पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे एक डंपर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही प्रदीप सड़क पर गिर पड़ा और डंपर का पहिया उसके ऊपर से निकल गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद डंपर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर क्राइम राजवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बाद में पुलिस ने डंपर को पकड़ लिया।

पुलिस को मृतक की जेब से मिले पहचान पत्र के आधार पर परिजनों को सूचना दी गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि प्रदीप की एक माह बाद शादी होने वाली थी और घर में तैयारियां चल रही थीं। वह हलवाई का काम करता था। युवक की असमय मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने का आरोप, कार्रवाई की मांग

एनएनआई

फतेहाबाद। सोशल मीडिया पर वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप से जुड़ा कथित आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने के मामले में क्षत्रिय समाज के लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई है। समाज के प्रतिनिधियों ने डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल और थाना फतेहाबाद में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि एक फेसबुक आईडी से महाराणा प्रताप की प्रतिमा के साथ आपत्तिजनक फोटो और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए वीडियो पोस्ट किया गया। साथ ही राजपूत समाज के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस तरह की पोस्ट समाज में वैमनस्यता और तनाव पैदा कर सकती हैं। प्रार्थना पत्र में ग्राम ककरीली बहेड़ी निवासी एक युवक और उसके कुछ साथियों पर सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार जातीय टिप्पणी और आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एवं अन्य महापुरुषों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करना पूरे समाज की भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य है।

क्षत्रिय समाज के लोगों ने बताया कि मामले में दर्ज एफआईआर संख्या 128/26 में अन्य कथित साथियों के नाम भी शामिल किए जाने की मांग की गई है। साथ ही सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कर कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। समाज के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि यदि 48 से 72 घंटे के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो विभिन्न राजपूत संगठनों और करनी सेना के साथ आंदोलन किया जाएगा।

एक्सप्रेसवे के आरओडब्ल्यू क्षेत्र में लगी आग, समय रहते पाया काबू

फतेहाबाद एनएनआई। दोपहर करीब 2:30 बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 37/500 स्थित आरओडब्ल्यू (राइट ऑफ वे) क्षेत्र में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। तेज हवाओं के कारण आग तेजी से फैलने लगी और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा।

घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा के सुरक्षा अधिकारी सुधीश कुमार शुक्ला अपनी टीम, फायर ब्रिगेड एवं लुहारी चौकी इंचार्ज देवेंद्र कुमार के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। टीम ने तत्परता दिखाते हुए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और आग पर काबू पाने के प्रयास तेज कर दिए। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया गया। समय रहते कार्रवाई होने से आग एक्सप्रेसवे तक नहीं पहुंच सकी और कोई बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों ने बताया कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

ऑटो में बैठाकर यात्रियों से चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

एनएनआई

फतेहपुर सीकरी। पुलिस और साइबर सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ऑटो में बैठाकर यात्रियों से चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त एक ऑटो, एक मोबाइल फोन और 2560 रुपये नकद बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार 8 मई को बसेरी काजी निवासी एक ग्रामीण ने शिकायत दर्ज कराई थी कि ऑटो में बैठने के दौरान उसके बैग से 20 हजार रुपये और मोबाईल चोरी कर लिए गए। मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम जांच में जुटी थी। जांच के दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे सुनसान स्थानों पर खड़े होकर यात्रियों को अपने ऑटो में बैठाते थे। ऑटो में पहले से बैठे साथी यात्रियों का सामान और नकदी चोरी कर लेते थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुड्डू उर्फ अमान निवासी मिढ़ाकुर और पप्पू उर्फ बबलू निवासी

मिढ़ाकुर के रूप में हुई है। वहीं गिरोह का एक अन्य साथी छोटू उर्फ मुन्ना फरार बताया गया है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में जेल जा चुके हैं।

पति के लापता होने पर महिला ने लगाया अपहरण का आरोप

एनएनआई

फतेहाबाद। थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव नागर निवासी एक महिला ने अपने पति को गायब किए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस उपायुक्त पूर्वी कमिश्नरेट से शिकायत की है। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति को काम कराने के बहाने कैंटर गाड़ी पर ले जाया गया था, जिसके बाद से उनका कोई पता नहीं चला है।

गांव नागर निवासी श्यामलता पत्नी ओमवीर ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 11 मार्च को कुछ लोग उसके पति ओमवीर को कैंटर गाड़ी पर काम कराने के लिए अपने साथ ले गए थे। कुछ दिनों तक काम कराने के बाद आरोपितों ने बताया कि उसका पति गायब हो गया है। महिला का आरोप है कि जब उसने पति के बारे में जानकारी करनी चाही तो आरोपितों ने अभद्र व्यवहार किया और धमकियां दीं। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपितों ने फोन पर जान से मारने की धमकी दी है। उसका कहना है कि उसके छोटे-छोटे बच्चे हैं और पति के कई महीनों से लापता होने के कारण परिवार बेहद परेशान है। पीड़िता ने बताया कि उसने पहले थाना निबोहरा में भी शिकायत दी थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने पुलिस उपायुक्त पूर्वी कमिश्नरेट से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर पति की बरामदगी और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

श्रीराम कथा सुन भावुक हुए श्रद्धालु

एनएनआई

आगरा। अछनेरा-विकासखंड अछनेरा के गांव अरुआ खास में नौ दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के अंतिम दिन रसिक कथा वाचक श्री कृष्ण चंद ठाकुर जी ने अपने श्री मुख से श्रीराम सीता का सुन्दर वर्णन करते हुए बताया कि पूरे ब्रह्माण्ड में श्रीराम ही ऐसे आज्ञाकारी पुत्र हैं जो कि अपने माता पिता के कहने पर सारा राजपाठ छोड़कर वनवासी बन गए। और चौदह वर्षो तक अपने भाई और अपनी पत्नी के साथ वन में ही संघर्ष पूर्ण जीवन व्यतीत किया मंगलाचरण के बाद श्री राम कथा को आगे बढ़ाते हुए श्री राम की बाल लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया उन्होंने कहा कि मनुष्य जन्म लेकर भी जो व्यक्ति पाप के अधीन होकर इस भागवत रुपी पुण्यदायिनी कथा को श्रवण नहीं करते तो उनका जीवन ही बेकार है और जिन लोगों ने इस कथा को सुनकर अपने जीवन में इसकी शिक्षाएं आत्मसात कर ली हैं तो मानों उन्होंने अपने कुल का उद्धार कर लिया हैं। उन्होंने बताया कि यह कथा बड़े भाग्य से सुनने को मिलती है इसलिए जब भी समय मिले कथा में सुनाए गए प्रसंगों को सुनकर अपने जीवन में आत्मसात करें। इससे मन को शांति भी मिलेगी और मनुष्य जीवन का कल्याण भी होगा। ग्रामीणों ने बताया कि प्रभु इच्छा के अनुसार गांव में एक विशाल भण्डारे का आयोजन किया जायेगा।

गर्भपात की सूचना पर निजी हॉस्पीटल में छापा

बाह एनएनआई। आगरा बाह मार्ग स्थित श्रीराम हॉस्पीटल में सोमवार की रात स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गर्भपात की सूचना पर बाह पुलिस के साथ छापा मारा। छापेमारी के दौरान हॉस्पीटल के पिछवाड़े से कूद कर स्टाफ भाग खड़ा हुआ। टीम को दिल्ली की एक महिला मरीज भर्ती मिली। बाह सीएचसी के अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र वर्मा ने बताया कि गर्भपात की सूचना पर छापेमारी की थी। अस्पताल में साढ़े तीन महीने की गर्भवती भर्ती मिली। उसने पूछताछ में बताया कि वह दिल्ली की रहने वाली है, पेट में दर्द होने पर हॉस्पीटल में आई थी। निरीक्षण के दौरान ही अपने पति को बुला कर चली गई। अधीक्षक ने बताया कि श्रीराम हॉस्पीटल पंजीकृत नहीं है।

सपा पिछड़ा वर्ग का प्रदेश सचिव बनने पर सचिन बघेल का स्वागत

एनएनआई

एत्मादपुर। विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी समाजवादी पार्टी दलित-पिछड़े वर्गों के लोगों को संगठन में शामिल करने में लगी है। स्थानीय विधानसभा क्षेत्र के शहरी इलाके शाहदरा निवासी कुंवर सचिन बघेल को समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में प्रदेश सचिव के पद पर मनोनीत करने पर उनका सपाइयों ने पुष्प मालाएं पहनाकर जोशीला स्वागत किया। श्री बघेल की नियुक्ति पर समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास ने कहा है कि श्री बघेल के नेतृत्व से संगठन और मजबूत होगा। स्वागत कार्यक्रम में सचिन बघेल ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी मेहनत और ईमानदारी से कार्य करेंगे। श्री बघेल को नई जिम्मेदारी मिलने पर पुष्पेंद्र शर्मा, डा. वीरेन्द्र सिंह चौहान, नरेन्द्र सिंह नंद, नितिन वर्मा, अजीज अब्बास, सुरेंद्र सिंह पौनियां, सोनू अब्बास, देवेंद्र बघेल, यशवीर सिंह बघेल, जयवीर सिंह बघेल, अमित यादव, अमित वार्ष्णेय, सुरेश दिवाकर, शरीफ मलिक, रवि कुमार बघेल, निजाम मोहम्मद, जितेन्द्र वाल्मीक, रमेश चंद्र यादव, अकील अब्बास, पुरुषोत्तम निषाद, पुष्पेंद्र बघेल, साहिल उस्मानी, मनोज शर्मा, हरदेव चौहान आदि ने खुशी जताई है।

संपादकीय

भुलसुधार कर मजबूत क्षत्रपों की तरफ भाजपा

भारतीय जनता पार्टी अब मजबूत क्षत्रप नेताओं को राज्यों में कमान देकर चौंका रही है।बिहार में सम्राट चौधरी और पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री बनाया गया। असम में हिमंत बिस्वा सरमा को कमान दी गई।असल में पहले भाजपा के बारे में यह धारणा बनी थी कि वह किसी को भी मुख्यमंत्री बना सकती है। कहा जाने लगा था कि भाजपा पर्ची से निकाल कर सीएम के नाम तय कर रही है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश में मोहन यादव को सीएम बनाए जाने के बाद यह धारणा बनी थी। ओडिशा में भी भाजपा ने दिग्गज नेताओं को छोड़ कर मोहन चरण मांझी को बनाया और छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय को कमान सौंपी। उत्तर भारत में सबसे पहले इसकी शुरूआत तब हुई थी जब भाजपा मे हिमाचल प्रदेश में जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री बनाया था।भाजपा के बारे में बनी इस धारणा के कारण ही जब बिहार में उसका अपना सीएम बनाने की बारी आई तो ज्यादातर लोग कह रहे थे कि कोई चौंकाने वाला नाम होगा। भाजपा किसी को भी मुख्यमंत्री बना सकती है। सम्राट चौधरी के नाम को सिर्फ इस आधार पर खारिज किया जा रहा था कि उनके नाम की बहुत चर्चा हो रही है तो नरेंद्र मोदी और अमित शाह उनको नहीं बनाएंगे। लेकिन अंततः उनके नाम पर मुहर लगी। कोई चौंकाने वाला नहीं आया। कोई पर्ची नहीं निकली। उसके बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत मिली और पहला मुख्यमंत्री बनाने की बात आई तो शुभेंदु अधिकारी का नाम सबसे आगे था। लेकिन ऐसा कहने और मानने वाले बहुत से लोग थे कि उनके नाम की बहुत चर्चा हो रही तो वे नहीं बनेंगे। यह भी कहा जा रहा था कि भाजपा को अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला है और पहला मुख्यमंत्री बनना है तो पार्टी आरएसएस की पृष्ठभूमि वाले किसी पुराने नेता को मौका देगी। लेकिन बंगाल में तो खुद अमित शाह ने जाकर शुभेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री बनाने का फैसले पर मुहर लगवाई। असम में मौजूदा मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ही सीएम बने।असल में भाजपा आलाकमान की रणनीति में यह बदलाव 2024 के लोकसभा चुनाव में लगे झटके की वजह से हुआ है पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 63 सीटों का नुकसान हुआ था और वह अपने दम पर बहुमत नहीं हासिल कर पाई थी। तभी 2024 लोकसभा चुनाव के बाद एक दिल्ली के अपवाद को छोड़ दें तो भाजपा ने हर जगह ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया, जिसका बनना तय माना जा रहा था। महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़नवीस स्वाभाविक पसंद थे तो उनको बनाया गया। हरियाणा में तो भाजपा ने चुनाव ही लड़ा था नायब सिंह सैनी के नाम पर। उनको चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री बनाया गया था और उनके नाम पर चुनाव लड़ा गया था तो वे सीएम बने। इसी तरह बिहार में पार्टी को मौका मिला तो उसने स्वाभाविक पसंद माने जा रहे सम्राट चौधरी को बनाया। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी बने और असम में सरमा बनें।इसका यह अर्थ है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव में अपने मुख्यमंत्रियों की परफॉरमेंस का आकलन किया है। उसको भी समझ में आया है कि जनता के बीच लोकप्रिय और मजबूत सामाजिक आधार वाले नेता को मुख्यमंत्री बनाना आगे की राजनीति के लिए जरूरी है। यह भी समझ में आया है कि नरेंद्र मोदी का करिश्मा और अमित शाह के प्रबंधन के साथ साथ राज्यों में मजबूत नेतृत्व भी जरूरी है।अब सवाल है कि भारतीय जनता पार्टी ने यह सबक लिया है कि राज्यों में मजबूत नेता की जरुरत है और तीन साल बाद होने वाले लोकसभा चुनाव में उसे वापस बहुमत हासिल करना है तो कई राज्यों में भाजपा को भूलसुधार की जरुरत महसूस हो रही है। खास कर राजस्थान और मध्य प्रदेश को लेकर भाजपा बहुत भरोसे में नहीं है। राजस्थान में पूर्ण बहुमत मिलने के बाद भाजपा ने भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया था और उसके साथ ही हुए चुनाव के बाद मध्य प्रदेश में मोहन यादव को कमान दी गई थी। लेकिन दोनों राज्यों में सरकार के कामकाज को लेकर सवाल उठ रहे हैं और दोनों मुख्यमंत्री राजनीतिक मैसेज बनवाने में भी सफल नहीं हुए हैं। राजस्थान में तो लोकसभा चुनाव में ही कमजोरी जाहिर हो गई थी। 2019 में भाजपा ने राज्य की सभी 25 सीटें जीती थीं। भाजपा ने खुद 24 और एक सीट उसकी सहयोगी पार्टी ने जीती थी। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी। लेकिन 2024 में कांग्रेस ने 12 सीटें जीतीं।उसके बाद से ही इस बात की चर्चा शुरू हो गई कि राज्य में बदलाव की जरुरत है। मध्य प्रदेश में भाजपा जरूर सभी सीटें जीती लेकिन उसमें मुख्यमंत्री का कोई योगदान नहीं है। दूसरे, भाजपा को यह भी समझ में आ रहा है कि मोहन यादव के नाम से उसे हिंदी पट्टी में यादव वोट का लाभ नहीं हो रहा है। ओडिशा और छत्तीसगढ़ में भी भाजपा ने प्रयोग किया है लेकिन वहां को लेकर अभी ज्यादा चर्चा नहीं है। ध्यान रहे भाजपा आलाकमान को अगर लग जाए कि कोई फैसला गलत हो गया है तो उसे उसमें सुधार करने में समय नहीं लगता है। मिसाल के तौर पर उत्तराखंड को देख सकते हैं, जहां भाजपा ने त्रिवेंद्र सिंह रावत की जगह तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया लेकिन जब लाभ नहीं दिखा तो चार महीने में ही उनको बदल कर पुष्कर सिंह धामी को सीएम बनाया गया। उसके बाद धामी 2022 का चुनाव हार गए फिर भी उनको मुख्यमंत्री बनाया गया क्योंकि उनकी कमान में पार्टी ने चुनाव जीत लिया था। सो, कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए भाजपा आलाकमान कुछ राज्यों में भूलसुधार पर विचार कर सकता है।

खाने-पीने की चीजों ने बिगाड़ा बजट

अप्रैल में 3.48% पर पहुंची महंगाई दर

खाने-पीने की चीजों के महंगे होने से अप्रैल में भारत की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.48 प्रतिशत हुई। महंगाई दर आरबीआई के 4% के लक्ष्य से अभी भी नीचे है, लेकिन टमाटर और पर्सनल केयर उत्पादों की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की चिंता बढ़ा दी है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

भारत में आम आदमी को महंगाई के मोर्चे पर हल्का झटका लगा है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई दर में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है और यह बढ़कर 3.48 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने यानी मार्च में यह आंकड़ा 3.4 प्रतिशत पर था। इस बढ़ोतरी के पीछे मुख्य वजह खाने-पीने की चीजों, विशेषकर रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों की कीमतों में आया उछाल है। हालांकि, अर्थव्यवस्था के लिए राहत की बात यह है कि समग्र महंगाई दर अब भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चार प्रतिशत के लक्ष्य के काफी नीचे है।

खाद्य महंगाई और सब्जियों की कीमतों का हाल

अर्थव्यवस्था के इन आंकड़ों का गहराई से विश्लेषण करने पर पता चलता है कि लोगों के रसोई का बजट मुख्य रूप से बिगड़ा है। खाद्य महंगाई दर मार्च के 3.87 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में 4.20 प्रतिशत पर पहुंच गई है। इसमें ग्रामीण इलाकों की खाद्य महंगाई दर शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ी है।

सब्जियों की कीमतों की बात करें तो बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला है:

टमाटर ने किया लाल: टमाटर की कीमतों में सालाना आधार पर 35.28 प्रतिशत का भारी उछाल आया है।

आलू-प्याज से राहत: दूसरी तरफ, आलू और प्याज की कीमतों में बड़ी गिरावट (क्रमशः -23.69 प्रतिशत और -17.67 प्रतिशत) दर्ज की गई है, जिससे उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली है।

पर्सनल केयर उत्पादों में भारी उछाल

महंगाई का असर केवल राशन तक सीमित नहीं है। अप्रैल महीने में सबसे ज्यादा महंगाई पर्सनल केयर और विविध वस्तुओं की श्रेणी में देखी गई, जिसने 17.66 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज की। इसके विपरीत, ईंधन से जुड़ी कीमतों में नरमी के कारण ट्रांसपोर्ट से जुड़ी महंगाई दर -0.01 प्रतिशत पर लगभग सपाट रही, जिससे माल ढुलाई और यात्रा लागत में कोई विशेष बढ़ोतरी नहीं हुई।

महंगाई दर में मामूली वृद्धि हुई है, फिर भी सरकार और आरबीआई के लिए स्थिति नियंत्रण में है। भारत ने 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक के पांच वर्षों के लिए अपनी खुदरा महंगाई दर का लक्ष्य 4 प्रतिशत (2% से 6% के दायरे में) पर बरकरार रखा है।

एक सर्वे में खुदरा महंगाई के 3.8 प्रतिशत तक जाने का अनुमान जताया गया था, ऐसे में मौजूदा 3.48 प्रतिशत का आंकड़ा अनुमानों से काफी बेहतर है। हालांकि, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण भविष्य में ऊर्जा और खाद्य लागत बढ़ने का जो जोखिम पैदा हुआ है, उस पर आगामी मौद्रिक नीति में रिजर्व बैंक की पैनी नजर रहेगी।

पिता बोलते थे अपशब्दः शाईनी दोशी

ग्लैमर वर्ल्ड वो दुनिया है जहां तक पहुंचने के लिए लोगों को ना सिर्फ प्रोफेशनल लेवल पर बल्कि पर्सनल लेवल पर भी काफी स्ट्रगल करना पड़ता है। इस मुश्किल दौर में तो कई कलाकारों के परिवार भी साथ छोड़ देते हैं। ऐसी ही एक टीवी एक्ट्रेस हैं जिनके पिता को उनका शूटिंग पर देर रात तक रुकना पसंद नहीं था और वे उन्हें काफी बुरा-भला कहते थे। हम बात कर रहे हैं एक्ट्रेस शाइनी दोशी की जिन्होंने पांड्या स्टोर और जमाई राजा जैसे सीरियल्स से खूब सुर्खियां हासिल कीं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने पिता के बुरे रवैया के बारे में बात की है। उन्होंने खुलासा किया है कि जब वे 16 साल की थीं तो उनके पिता उन्हें प्रॉस्टिट्यूट कहकर बेइजत करते थे। एक इंटरव्यू में शाइनी दोशी ने कहा- मेरे पिता मुझे वेश्या कहते थे। मेरी प्रिंट शूटिंग अहमदाबाद में काफी देर से चलती थी। कभी-कभी 2 या 3 बजे रात को पैक-अप होता था। ममा हर शूट में मेरे साथ होती थी, तब मैं सिर्फ 16 साल की थी और जब हम घर आते थे, तो ऐसा नहीं था कि वो पूछे कि तुम ठीक हो? सुरक्षित हो? वो खराब शब्द बोलते थे।

अंकिता ने शेयर किया दिल छू लेने वाला वीडियो

मदर्स डे पर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें जन्म देने वाली मां और उनकी सास, दोनों ने उन्हें ताकत दी है। अभिनेत्री ने दोनों का आभार जताया। अंकिता ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उनकी मां और सास के साथ बिताए गए खुशनुमा पलों की झलक है। पोस्ट में लिखा, लोग कहते हैं कि इंसान को जिंदगी में सिर्फ एक मां मिलती है, लेकिन मुझे दो मां मिलीं। एक ने जन्म दिया और दूसरी ने ताकत दी.. इन दोनों का प्यार और दुआएं हर दिन मेरा मार्गदर्शन करता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि ये दोनों मेरी जिंदगी में हैं। उन्होंने इस पोस्ट में हैप्पी मदर्स डे, मॉम लव और थैंक्स मॉम जैसे हैशटैग्स का इस्तेमाल किया। अंकिता के पति विकास जैन ने भी दो तस्वीरें साझा कीं- एक अपनी मां के साथ और दूसरी अपनी सास के साथ- दोनों महिलाओं का आभार जताते दिखे। छवियों को साझा करते हुए, उन्होंने लिखा, उन्होंने कभी श्रेय नहीं मांगा।

मौनी रॉय ने पति को किया अनफॉलो
शादी की फोटो भी की डिलीट!

इंडस्ट्री में रिश्ते बनना और टूटना आम बात है। अब एक और जोड़ी के टूटने के रूमर्स फैले हुए हैं। दरअसल मौनी रॉय और सूरज नाम्बियार ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है, जिसके बाद उनके तलाक की अफवाहें फैल गई हैं। इस जोड़ी ने जनवरी 2022 में शादी की थी। रिपोर्ट के मुताबिक मौनी और सूरज दोनों ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को फॉलो करना बंद कर दिया है, जिसके बाद फैंस ऑनलाइन सवाल उठा रहे हैं कि क्या दोनों का तलाक होने वाला है। गौरतलब है कि सूरज ने मौनी के साथ शादी की तस्वीरें भी डिलीट कर दी हैं। वहीं दोनों ने इस बारे में अभी तक कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी नहीं की है, लेकिन फैंस को लग रहा है कि हालिया सोशल मीडिया विवाद के बीच कहीं उनकी शादी में दरार तो नहीं आ गई है। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वाली मौनी रॉय अक्सर अपने पति सूरज के साथ छुट्टियों की तस्वीरें शेयर करती नजर आती हैं। हालांकि, हाल ही में फैंस ने देखा कि दोनों में से कोई भी एक-दूसरे के साथ तस्वीरें और वीडियो शेयर नहीं कर रहा है।

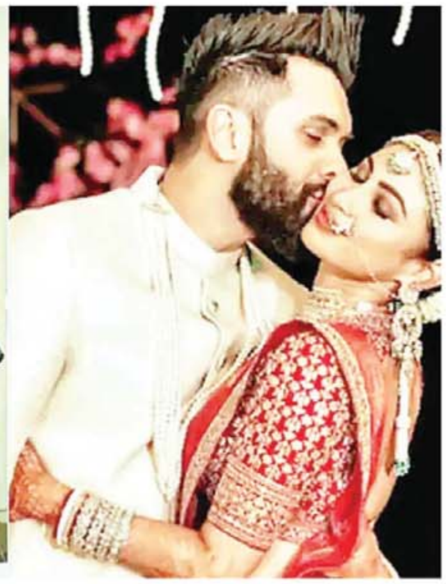

बिन शादी 3 बच्चों की है मां...श्री लीला

महज 24 साल की उम्र में बिना शादी किए तीन बच्चों की मां बनकर श्री लीला मिसाल पेश करती हैं। उन्होंने 21 की उम्र में दो दिव्यांग बच्चों और 2025 में एक और बेटी को गोद लिया। जितना बड़ा श्री लीला का दिल है, उतना ही आलीशान उनका घर भी है। इस यंग मॉम का रॉयल आशियाना ना सिर्फ आपका दिल जीतेगा, बल्कि होम डेकोर के लिए इंस्पायर भी करेगा।

श्री लीला ने महज 21 साल की उम्र में दो दिव्यांग बच्चों को गोद लिया था और साल 2025 में उन्होंने एक और बच्ची को अपना लिया। आज 24 की उम्र में वे तीन बच्चों की अकेली मां बनकर उनकी परवरिश कर रही हैं। श्री लीला का घर भी उनके पर्सनालिटी की तरह बहुत ही शानदार और रॉयल है। उनके घर के लिविंग रूम में रखे स्टाइलिश सोफे हों या बालकनी का सुंदर नजारा, हर कोना बहुत प्यार से सजाया गया है। तो चलिए तस्वीरों के जरिए देखते हैं श्री लीला का आलीशान घर, जहां उनकी ममता और लग्जरी लाइफस्टाइल का कॉम्बिनेशन है और डेकोर के आइडिया भी देता है। श्री लीला का घर दिखने में बहुत ही मॉडर्न और स्टाइलिश है। उनके लिविंग रूम की सबसे खास बात वहां रखा मस्टर्ड येलो रंग का सोफा है, जो पूरे कमरे को चमक और ताजगी देता है। सफेद दीवारों के साथ यह चटक पीला रंग बहुत ही प्यारा लगता है। दीवारों पर सुंदर पेंटिंग्स लगी हैं और एक किनारे लटकी नीली ईविल आई घर को बुरी नजर से बचाने के साथ-साथ एक ट्रेंडी लुक भी दे रही है। घर का यह कोना सादगी और स्टाइल का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। यहां इस्तेमाल किए गए हल्के ग्रे रंग के सोफे और सफेद पर्दे कमरे को बहुत ही शांत और साफ-सुथरा लुक देते हैं। कोनो में हरे-भरे ऐरेका पाम प्लांट रखे हैं जो घर को आलीशान लुक देते हैं। इन्हें गोल्डन स्टैंड पर सजाया गया है, जिससे घर में थोड़ी लग्जरी भी झलकती है। चमकदार मार्बल फर्श और अच्छी रोशनी इस जगह को और भी बड़ा और खुला दिखाती है।

आईपीएल में रनों के लिहाज से गुजरात टाइटंस की सबसे बड़ी जीत

गुजरात ने हैदराबाद को 82 रन से हराया

अहमदाबाद। कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रनों के बड़े अंतर से हराया। गुजरात की आईपीएल में रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम ने इसी सीजन में राजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हराया था। इस जीत के साथ ही गुजरात की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है और उसने प्लेऑफ के लिए अपना दावा बेहद मजबूत कर लिया है। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद की टीम 14.5 ओवर में 86 रन पर ही ऑलआउट हो गई। हैदराबाद का आईपीएल में यह न्यूनतम स्कोर है। इससे पहले, 2019 में टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ 96 रन पर ढेर हुई थी।

सिर्फ चार बल्लेबाज दहाई अंक तक पहुंचे

हैदराबाद के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान पैट कमिंस ने बनाए जो 19 रन बनाकर आउट हुए। हैदराबाद के सिर्फ चार बल्लेबाज ही दहाई अंक तक पहुंच सके। गुजरात के लिए रबाडा और होल्डर ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा को दो और मोहम्मद सिराज तथा राशिद खान को एक-एक विकेट मिला। दिलचस्प बात यह है कि गुजरात के लिए इस मैच में सभी गेंदबाजों को सफलता मिली।

रबाडा ने हैदराबाद की पारी लड़खड़ाई

लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की पारी शुरुआत में ही लड़खड़ा गई। पहले सिराज ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे ट्रेविस हेड को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा, फिर कगिसो रबाडा ने लगातार विकेट लेकर हैदराबाद को उबरने का मौका ही नहीं दिया। रबाडा ने अभिषेक शर्मा (6), ईशान किशन (11) और समारन रविचंद्रन (9) को आउट किया।

पहले टेस्ट में बांग्लादेश से 104 रन से हारा पाकिस्तान

268 रन चेज करते हुए 163 पर सिमटी पूरी टीम

ढाका। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ ढाका में खेले गए दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में 104 रन से जीत हासिल की है। शान मसूद की अगुआई में खेल रही पाकिस्तान टीम 268 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 163 रन पर सिमट गई। इस तरह बांग्लादेश ने 104 रन से पहले टेस्ट अपने नाम किया और सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की।

बांग्लादेश की पहली पारी

ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में हुए इस टेस्ट में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में 413 रन बनाए थे।

पाकिस्तान की पहली पारी

413 रन का पीछा करते हुए पाकिस्तान की पहली पारी 386 रन पर सिमट गई। अजान अवैस ने 14 चौके की मदद से 103 रन बनाए।

बांग्लादेश की दूसरी पारी

बांग्लादेश को पहली पारी के आधार पर 27 रन की बढ़त मिली। अपनी दूसरी पारी में बांग्लादेश ने नौ विकेट पर 240 रन बनाए और पारी घोषित कर दी।

पाकिस्तान की दूसरी पारी

जवाब में पाकिस्तान की दूसरी पारी 163 रन पर सिमट गई।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मुफ्त प्रसारण की मांग, दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र और प्रसार भारती को नोटिस भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के भारत में प्रसारण को लेकर दायर याचिका पर केंद्र सरकार और प्रसार भारती को नोटिस जारी किया है। याचिका में मांग की गई है कि टूर्नामेंट का प्रसारण दूरदर्शन, डीडी स्पोर्ट्स और अन्य फ्री-टू-एयर प्लेटफॉर्म पर कराया जाए, ताकि आम लोग भी मुकाबले देख सकें। यह सुनवाई न्यायमूर्ति पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की अदालत में हुई। संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दाखिल याचिका अधिवक्ता अवधेश बैरवा ने दायर की है। इसमें कहा गया है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई 2026 तक होना है, लेकिन अभी तक भारत में किसी ब्रॉडकास्टर ने इसके मीडिया अधिकार नहीं खरीदे हैं। याचिका के मुताबिक, अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो भारत के लाखों फुटबॉल प्रशंसक दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक को देखने से वंचित रह जाएंगे।

भारतीय मुक्केबाज लक्ष्य फाइनल में पहुंचे, चार खिलाड़ियों को कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली। भारत के लिए एशियाई अंडर 17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में मंगलवार का दिन चुनौतीपूर्ण रहा। लक्ष्य फोगाट अकेले फाइनल में पहुंचे, जबकि चार अन्य मुक्केबाजों को सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। 75 किलोवर्ग में लक्ष्य ने कोरिया के सियुंगमिन ली को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में नरेंद्र नेल्ला (46 किलो) को उजबेकिस्तान के अब्दुल्लाह नूरालीव ने 5-0 से हराया। यश यादव (50 किलो) को मंगोलिया के एस उसुखबातार ने 4-1 से मात दी, जबकि निवेश पाल 54 किलोवर्ग में उजबेकिस्तान के अब्दुलबोसित युर्सुनबोएव से 5-0 से हार गए। नमन (70 किलो) को उजबेकिस्तान के अब्दुवोहिद अब्दुमाजिदोव ने 3-2 से हराया।

बुधवार, 13 मई राशिफल

आज चंद्रमा आपके बारहवें भाव में गोचर कर रहे हैं, जिससे मन संवेदनशील और विचारशील रहेगा। आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी और आप शांति को प्राथमिकता देंगे। सूर्य और मंगल आपकी राशि में होकर साहस और ऊर्जा देंगे, जिससे रुके हुए काम पूरे होंगे।

आज लाभ और सामाजिक संपर्कों पर आपका फोकस रहेगा। चंद्रमा ग्यारहवें भाव में होने से दोस्तों और नेटवर्किंग से अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आपकी राशि में शुक्र आत्मविश्वास और आकर्षण बढ़ाएंगे। आर्थिक मामलों में सुधार होगा और रुका हुआ धन मिलने के संकेत हैं।

आज करियर और जिम्मेदारियां प्राथमिकता में रहेंगी। चंद्रमा दसवें भाव में होकर कार्यक्षेत्र में आपकी छवि मजबूत करेंगे। बृहस्पति आपकी राशि में आत्मविश्वास बढ़ा रहे हैं। ऑफिस में वरिष्ठ आपके काम की सराहना करेंगे, लेकिन संवाद में भ्रम की स्थिति बन सकती है।

आज आपके विचार आध्यात्मिकता और भविष्य की योजनाओं की ओर बढ़ेंगे। चंद्रमा नौवें भाव में होकर मानसिक स्पष्टता देंगे। करियर में काम का दबाव बढ़ सकता है, लेकिन मित्रों और संपर्कों से लाभ मिलेगा। रिश्तों में भावनात्मक सुरक्षा और शांति का अनुभव होगा।

आज भावनात्मक गहराई और आत्मविश्लेषण का दिन रहेगा। चंद्रमा आठवें भाव में होने से पुरानी बातें मन को परेशान कर सकती हैं। सूर्य और मंगल साहस बढ़ाएंगे, लेकिन आर्थिक मामलों में सावधानी जरूरी है। जोखिम भरे निवेश से बचें। प्रेम संबंधों में ईमानदारी और विश्वास बनाए रखें।

आज आपका ध्यान रिश्तों और पार्टनरशिप पर रहेगा। चंद्रमा सातवें भाव में होकर संवेदनशीलता बढ़ाएंगे। करियर में नई पहचान मिलने के योग हैं, लेकिन तनाव और बहस से बचना जरूरी होगा। बुध के अस्त होने से संवाद में भ्रम पैदा हो सकता है।

आज काम और स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान देना होगा। चंद्रमा छठे भाव में होकर जिम्मेदारियों को बढ़ाएंगे। अटके हुए काम पूरे हो सकते हैं। पार्टनरशिप में तनाव की स्थिति बन सकती है, इसलिए धैर्य रखें। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी, लेकिन सेहत और काम से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं।

आज रचनात्मकता और प्रेम संबंधों में सकारात्मक ऊर्जा रहेगी। चंद्रमा पांचवें भाव में होकर आपका मन प्रसन्न रखेंगे। मंगल आपकी कार्यक्षमता और आत्मविश्वास बढ़ाएंगे। करियर में दबाव रहेगा, लेकिन आप कठिन काम भी आसानी से पूरे कर पाएंगे।

आज आपका ध्यान घर-परिवार और मानसिक शांति पर रहेगा। चंद्रमा चौथे भाव में होने से आप अपनों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। मंगल आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएंगे, लेकिन जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने से बचें। भावनात्मक संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा।

आज संचार और नेटवर्किंग से लाभ मिलेगा। चंद्रमा तीसरे भाव में होकर आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति की क्षमता बढ़ाएंगे। भाई-बहनों और दोस्तों का सहयोग मिलेगा। घरेलू मामलों में तनाव बढ़ सकता है, इसलिए कड़वे शब्दों से बचें।

आज आपका ध्यान धन, परिवार और भविष्य की सुरक्षा पर रहेगा। चंद्रमा दूसरे भाव में होकर आर्थिक मामलों को महत्वपूर्ण बनाएंगे। शुक्र पारिवारिक सुख बढ़ाएंगे, लेकिन मंगल बातचीत में आक्रामकता ला सकते हैं।

आज चंद्रमा आपकी ही राशि में होकर आत्मविश्वास और भावनात्मक स्पष्टता बढ़ाएंगे। आप अपने अंतर्मन की बातों को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। सूर्य और मंगल धन और वाणी पर प्रभाव डाल रहे हैं, इसलिए कटु शब्दों से बचें।

डॉ. शिल्पा जैन
(एस्ट्रोलॉजर)
मो. 942560752

शहर में 73 नहरों की टेल फीडिंग पूरी बरसात से पहले नालों की सफाई के निर्देश

- जिला पंचायत अध्यक्ष ने लंबित परियोजनाओं की सूची दो दिन में मांगी
- जाजऊ क्षेत्र में दो दिन में पानी पहुंचाने का आश्वासन, अनुपस्थित अधिकारियों पर जताई नाराजगी

एनएनआई

आगरा। जिला पंचायत सभागार में मंगलवार को जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू भदौरिया की अध्यक्षता में सिंचाई बंधु बैठक आयोजित हुई। बैठक में सिंचाई, नलकूप, विद्युत, कृषि और वन विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि खरीफ फसली वर्ष 2026-27 के तहत जनपद की सभी 73 नहरों की शत-प्रतिशत टेल फीडिंग पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही 125 तालाबों को भी भरने का कार्य पूरा हो चुका है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने गत वर्ष की पूर्ण और अपूर्ण परियोजनाओं की सूची समय पर उपलब्ध न कराने पर नाराजगी जताई। उन्होंने दो दिन के भीतर लंबित और नई स्वीकृत परियोजनाओं की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही बरसात से पहले नालों की सफाई कराने और साफ कराए जाने वाले नालों व भरे गए तालाबों की सूची देने को कहा। बैठक में ग्राम गढ़ी धर्मपाल की आठ महीने से क्षतिग्रस्त पुलिया की मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश दिए गए। तेरहमोरी बांध की मरम्मत के लिए पुरातत्व विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेकर कार्य जल्द पूरा कराने को भी कहा गया।

जाजऊ क्षेत्र में पानी न पहुंचने की शिकायत पर सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने दो दिन के भीतर पानी पहुंचाने का आश्वासन दिया। हाथरस और मथुरा शाखा की शेष नहरों की टेल फीडिंग भी जल्द पूरी कराने के निर्देश दिए गए।

नलकूप विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जनपद में 333 राजकीय नलकूप चालू हालत में हैं, जबकि पांच नलकूप यांत्रिक खराबी के कारण बंद हैं। पिनाहट के एक नलकूप पर आधुनिक आईओटी प्रणाली लागू की गई है, जिसके माध्यम से मोबाइल से नलकूप का संचालन और निगरानी की जा सकेगी।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने खराब नलकूपों को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए।

ताज बैराज परियोजना की समीक्षा में बताया गया कि केंद्रीय जल आयोग ने प्रस्तावित रबर डैम के स्थान पर पारंपरिक बैराज निर्माण का सुझाव दिया है। इस पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया।

विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2026-27 के बिजनेस प्लान के तहत परियोजनाओं की स्वीकृति मिल चुकी है और जल्द काम शुरू होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष ने गर्मी को देखते हुए स्कूल समय में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वन विभाग ने बताया कि जनपद में वर्ष 2026-27 में 53 लाख पौधारोपण का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें 34 लाख पौधे अन्य विभाग और 19 लाख पौधे वन विभाग लगाएगा। दिगनेर राजवाह क्षेत्र में विशेष वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए गए।

कृषि विभाग ने जानकारी दी कि जनपद में अब तक 2.98 लाख किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है। साथ ही बासमती 1692 धान का बीज 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने सख्त नाराजगी जताई। जल निगम के अधिकारियों के बैठक में शामिल न होने पर स्पष्टीकरण तलब किया गया।

आंबेडकर विश्वविद्यालय में 14 मई से ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला

- विद्यार्थियों को चित्रकला की विभिन्न विधाओं का मिलेगा प्रशिक्षण
- कार्यशाला के समापन पर लगेगी प्रतिभागियों की कलाकृतियों की प्रदर्शनी

एनएनआई

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान में 14 मई से ग्रीष्मकालीन चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला तीन जून तक विश्वविद्यालय के सिविल लाइंस स्थित संस्कृति भवन परिसर में चलेगी। कार्यशाला का आयोजन राज्य ललित कला अकादमी और विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी के मार्गदर्शन और ललित कला संस्थान के निदेशक प्रो. संजय चौधरी के निर्देशन में आयोजित होगा। कार्यशाला में प्रतिभागियों को वाटर कलर, एक्रेलिक पेंटिंग, ऑयल पेंटिंग, ड्राइंग सहित चित्रकला की विभिन्न विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों की ओर से कराया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों और कला प्रेमियों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारना तथा अवकाश के समय को सकारात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों से जोड़ना है। कार्यशाला के समापन पर सभी प्रतिभागियों को राज्य ललित कला अकादमी की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रतिभागियों की तैयार कलाकृतियों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी, जिसे आमजन के लिए खुला रखा जाएगा। कार्यक्रम में 10 से 17 वर्ष आयु वर्ग के साथ 18 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थी भी भाग ले सकेंगे। प्रशिक्षण प्रतिदिन सुबह नौ बजे से 11 बजे तक होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इच्छुक विद्यार्थियों और अभिभावकों से समय रहते पंजीकरण कराने की अपील की है। पंजीकरण और अन्य जानकारी के लिए अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के संस्कृति भवन परिसर स्थित ललित कला संस्थान में संपर्क कर सकते हैं।

मातृ दिवस पर महिला बंदियों को राहत, जिला जेल को मिले दो कूलर

- अपराध निरोधक समिति ने महिला बंदियों की सुविधा के लिए बढ़ाया सहयोग
- सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आगे भी जारी रखने की बात

एनएनआई

आगरा। मातृ दिवस के अवसर पर जिला अपराध निरोधक कमेटी की ओर से जिला जेल में महिला बंदियों की सुविधा के लिए दो कूलर भेंट किए गए। कूलर जेल अधीक्षक को सौंपे गए। कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेशीय अपराध निरोधक समिति के चेयरमैन कमलेश श्रीवास्तव के निर्देश पर किया गया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने महिला बंदियों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग का संदेश दिया। कार्यक्रम में जिला मंत्री आलोक आर्य के साथ शीला बहेल, वत्सला प्रभाकर, पैंसी थॉमस, वीना अग्रवाल, विनय पोरवाल, मनोज डोमिनिक, प्रमोद अग्रवाल, मुकेश मित्तल, दीपांकर, विशेष अग्रवाल और अवधेश गोयल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि सामाजिक सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे।